RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:230 ता. 10 मार्च 2023, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सिसोदिया से पूछताछ के लिए तिहाड़ पहुंची ईडी, शराब नीति केस में CBI के बाद दूसरी एजेंसी की जांच

जमानत पर आज होगा फैसला

नई दिल्ली। शराब नीति मामले में तिहाड़ जेल में बंद मनीष सिसोदिया से पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय की टीम तिहाड़ जेल पहुंच चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ED की टीम ने सिसोदिया से सवाल-जवाब शुरू कर दिए हैं। इससे पहले 7 मार्च को श्रृष्ठ ने 6 घंटे तक सिसोदिया से पूछताछ की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रृष्ठ की एक टीम इस मामले में गिरफ्तार दो अन्य आरोपियों के साथ तिहाड़ पहुंची थी। श्रृष्ठ ने बताया था कि नई शराब नीति बनाने में साउथ दिल्ली के व्यापारियों से 100 करोड़ की रिश्वत ली गई थी। इस मामले में ED ने 6 मार्च को हैदराबाद के बिजनेसमैन अरुण रामचंद्र पिल्लई और अमनदीप ढल को गिरफ्तार किया था। 6 मार्च को ही दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया को 14 दिन यानी 20 मार्च तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। उनकी जमानत याचिका पर कोर्ट कल फैसला सुनाएगा।

केजरीवाल ने गिरफ्तारी के विरोध में राजघाट पर लगाया ध्यान

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कल राजघाट पर सिसोदिया की गिरफ्तारी के खिलाफ

ध्यान लगाया। वहीं आम आदमी पार्टी ने मनीष सिसोदिया को तिहाड़ की जेल नंबर में 1 में रखे जाने पर सवाल उठाए हैं। AAP नेता सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाए हैं कि केंद्र सिसोदिया की राजनैतिक हत्या कराना चाहता है। आप का कहना है कि इस जेल में खूंखार आतंकी हैं, सिसोदिया ने विपश्यना सेल में रखने की मांग की थी, उन्हें वहां रखा जाना चाहिए था। सौरभ ने कहा कि मनीष सिसोदिया को किसी षड्यंत्र के तहत तिहाड़ के जेल नंबर एक में रखा गया है। जबकि ऐसे फर्स्ट ट्रायल वालों को इस जेल में नहीं रखा जाता है।

सौरभ ने कहा कि मनीष सिसोदिया को किसी षड्यंत्र के तहत तिहाड़ के जेल नंबर एक में रखा गया है। जबकि ऐसे फर्स्ट ट्रायल वालों को इस जेल में नहीं रखा जाता है।

तेलंगाना के सीएम की बेटी को भी श्रृष्ठ का बुलावा

प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली शराब नीति मामले में तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को भी समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। इस पर कविता ने श्रृष्ठ से एक हफ्ते का समय मांगा है। उन्होंने कहा कि वह जांच एजेंसी के साथ पूरा सहयोग करेंगी, लेकिन महिला आरक्षण बिल के समर्थन में दिल्ली में 10 मार्च को उनके प्रस्तावित धरने के मद्देनजर बयान की तारीख पर कानूनी राय लेंगी।

भारत राष्ट्र समिति नेता और तेलंगाना विधान परिषद की सदस्य के कविता से इससे पहले CBI हैदराबाद में पूछताछ कर चुकी है। 12 दिसम्बर को हुई पूछताछ में के कविता से करीब सात घंटे तक पूछताछ की गई थी।

'खूंखार क्रिमिनल्स हैं सिसोदिया के पड़ोसी'-मनीष सिसोदिया को तिहाड़ की 1 नंबर जेल में वार्ड नंबर 9 में रखा गया है। यह सीनियर सिटीजन वार्ड है, जहां उन पर CCTV की निगरानी भी रहेगी। इसी वार्ड में कुछ खूंखार अपराधी भी सिसोदिया के पड़ोसी हैं। केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे सत्येंद्र जैन भी इसी वार्ड में 7 नंबर में हैं। सिसोदिया और जैन की सेल के बीच 500 मीटर की दूरी है। जेल अधिकारियों के मुताबिक आने वाले दिनों में सिसोदिया को अपनी सेल किसी दूसरे आरोपी के साथ शेयर करनी पड़ सकती है। सिसोदिया अंडर ट्रायल आरोपी हैं, इसलिए वे जेल में अपनी सुविधा के मुताबिक कपड़े पहन सकते हैं। उन्हें जेल से भी कुछ कपड़े दिए गए थे।

अवैध खनन मामले में बढ़ सकती हैं जनार्दन रेड्डी की मुश्किलें, CBI कोर्ट ने मांगा लेन-देन का पूरा ब्यौरा

बेंगलुरु। सीबीआई की एक विशेष अदालत ने करोड़ों के अवैध खनन मामले में खनन कारोबारी और कर्नाटक के पूर्व मंत्री गली जनार्दन रेड्डी के धन के लेन-देन का ब्योरा देने के लिए स्विट्जरलैंड, सिंगापुर, आईएसएल ऑफ मैन और यूएई के अधिकारियों को अनुरोध पत्र जारी करने का आदेश दिया है। सीबीआई को यह शक है कि रेड्डी ने घोटाले की एक बहुत बड़ी राशि को इन देशों में छिपा कर रखा है।

सीबीआई के अनुरोध पत्र को मिली अनुमति

सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश चंद्रकला ने 4 मार्च को पारित आदेश में कहा कि सीबीआई के द्वारा न्यायिक सहायता के लिए धारा 166-ए के तहत दायर आवेदन के तहत स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर और आईएसएल ऑफ मैन के अधिकारियों से जीएलए ट्रेडिंग इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का विवरण मांगा गया है। अदालत ने यह आदेश इसलिए दिया है क्योंकि कल्याण राज्य प्रगति पक्ष (केआरपीपी) पार्टी के संस्थापक रेड्डी मई तक राज्य विधानसभा चुनाव से पहले प्रचार कर रहे हैं। ऐसे में चुनाव प्रचार के लिए पैसा कहां से आ रहा है। इसका पता लगाने के लिए यह कदम उठाया गया है। सीबीआई ने इस मामले में गाली जनार्दन रेड्डी, जी लक्ष्मी अरुणा, आईएएस अधिकारी एम शिवलिंग मूर्ति, आईएफएस अधिकारी एस मुथैया, के मेहफुज अली खान, एसपी राजू, महेश ए पाटिल और पूर्व रेंजर वन अधिकारी एच राममूर्ति के खिलाफ याचिका दायर की थी। केंद्रीय एजेंसी (सीबीआई) स्विट्जरलैंड में जीएलए ट्रेडिंग इंटरनेशनल, स्विस बैंकों में कंपनी के खाते का विवरण, मालिकों का विवरण, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, बैंक खाते और संबंधित कंपनी के साथ गली जनार्दन रेड्डी और उनके परिवार के सदस्यों के लिंक का विवरण मांग रही है। कोर्ट ने अपने आदेश में सीबीआई के अनुरोध को भी नोट किया। जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि रेड्डी एसोसिएटेड माइनिंग कंपनी के नाम पर जारी खनन पट्टे के तहत अवैध खनन में शामिल थे। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, अवैध खनन की प्रक्रिया के माध्यम से अर्जित किया गया पूरा पैसा अपराध की आय का हिस्सा होगा

विश्व प्रसिद्ध दाऊजी हुरंगा में कोड़े खाने उमड़ रहा है सैलाब

मथुरा। ब्रज के राजा ठाकुर श्री दाऊजी महाराज के मंदिर प्रांगण बलदेव में गुरुवार दोपहर बरसेंगे हुरियारिनों के कोड़े। कोड़े खाने के लिए श्रद्धालुओं सहित हुरियारें मंदिर प्रांगण में पहुंच रहे हैं। हुरंगे की तैयारियों को लेकर प्रशासन पिछले एक हफ्ते से तैयारियों में जुटा हुआ है।

गुरुवार सुबह से ही इस हुरंगे को देखने के लिए देशी विदेशी श्रद्धालु आ रहे हैं। दोपहर दाऊजी मंदिर में भगवान के पट खुलते ही मंदिर में प्रवेश किया जाएगा। इसके बाद वहां अबीर गुलाल फूल आदि जमकर उड़ेगा। मंदिर सेवा परिवार की ही महिलाएं इस हुरंगा खेलने के लिए शामिल होती हैं। यहां की हुरियारिन हुरियारों के बदन से कपड़े फाड़ कर उसका कोड़ा बनाती है, और फिर रंग में डूबा-डूबा कर नंगे बदन पर

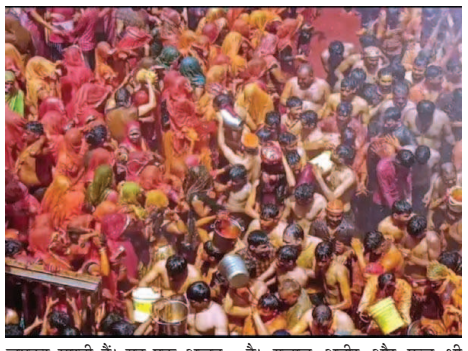

जमकर मारती हैं। यह एक अद्भुत एवं प्रसिद्ध हुरंगा है। मंदिर प्रांगण में जमीन में कई-कई फुट गहरी कुंडली बनाई गई है। 11 कुंतल टेसू के फूलों से बनाया गया रंग, इसी रंग को कोड़े के बीच बौछार की जाती है। गुलाल अबीर और फूल भी बरसते रहते हैं और नीचे टेसू का रंग होता है। जो बाल्टी भर वर्कर एवं गुणों को भिगोकर हुरियारिन हुरियारों के नंगे बदन पर मारती नजर आयेंगी।

चार माह तक आईओआर में चला नौसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास 'ट्रॉपेक्स'

नई दिल्ली। हिन्द महासागर क्षेत्र में चार माह तक चला भारतीय नौसेना का प्रमुख ऑपरेशनल अभ्यास ट्रॉपेक्स इस सप्ताह अरब सागर में सम्पन्न हो गया। समग्र अभ्यास में तटीय रक्षा अभ्यास सी-विजिल और जमीन व जल में अभ्यास एम्फेक्स शामिल थे। इन अभ्यासों में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और तटरक्षक बल की महत्वपूर्ण भागीदारी भी रही। यह सैन्याभ्यास पिछले साल नवंबर में चार महीने की अवधि के लिए आईओआर में शुरू हुआ था। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी सहित हिंद महासागर में इस अभ्यास के लिए संचालन का क्षेत्र उत्तर से दक्षिण तक 4300 समुद्री मील तक और पश्चिम में फारस की खाड़ी से 35 डिग्री दक्षिणी अक्षांश पूर्व में उत्तरी

ऑस्ट्रेलिया तट तक लगभग 5000 समुद्री मील में फैला हुआ था। यह पूरा इलाका 21 मिलियन वर्ग समुद्री मील से अधिक के क्षेत्र में फैला हुआ था। ट्रॉपेक्स-23 में भारतीय नौसेना के लगभग 70 जहाजों, छह पनडुब्बियों और 75 से अधिक विमानों ने भाग लिया। ट्रॉपेक्स 23 के अंतिम पड़ाव में भारतीय नौसेना का प्रमुख ऑपरेशनल अभ्यास हुआ। नवंबर, 2022 में शुरू हुए अभ्यास के अंतिम संयुक्त चरण के हिस्से के रूप में रक्षा मंत्री ने छह मार्च को स्वदेशी विमान वाहक विक्रांत पर समुद्र में एक दिन बिताया। उन्होंने भारतीय नौसेना की परिचालन तैयारियों और साजो-सामान की समीक्षा की, जिसमें नौसेना ने स्वदेशी एलसीए के डेक संचालन और प्रत्यक्ष हथियार फायरिंग सहित परिचालन कौशल और लड़ाकू अभियानों के विभिन्न पहलुओं का प्रदर्शन किया।बेड़े को संबोधित करते हुए उन्होंने भारतीय नौसेना की परिचालन तैयारियों की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि देश को नौसेना पर पूरा भरोसा है कि वह दुश्मनों की आर्थिक जीवन-रेखा और सैन्य क्षमताएं बाधित करके उसकी युद्ध क्षमता को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय नौसेना समुद्री क्षेत्र में भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह से सक्षम है और भारत के शांतिपूर्ण अस्तित्व को खतरे में डालने वाले किसी भी संभावित दुश्मन के गलत इरादों को विफल कर देगी। रक्षा मंत्री ने मेक इन इंडिया पहल में सबसे आगे रहने और युद्ध तत्परता, विश्वसनीयता, सामंजस्यपूर्ण और सुरक्षित भविष्य की दिशा में भारतीय नौसेना की भूमिका को सराहा।

आत्ममुग्धता का चरम है...

अपने नाम वाले स्टेडियम में कराया सम्मान; पीएम मोदी पर बरसी कांग्रेस

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज अहमदाबाद पहुंचे। यहां दोनों को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में लैप ऑफ ऑनर दिया गया। कांग्रेस ने पीएम मोदी पर हमला किया है। देश की सबसे पुरानी पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री की आत्ममुग्धता चरम पर है। वहीं, बीजेपी ने इसे क्रिकेट डिप्लोमेसी करार दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा, अपने जीवन काल में जिस स्टेडियम का नाम अपने खुद के नाम पर रखा है उस स्टेडियम में लैप ऑफ ऑनर ले रहे हैं। यह

आत्ममुग्धता की पराकाष्ठा है। वहीं, भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने पलटवार किया और इसे क्रिकेट डिप्लोमेसी करार दिया।

मोदी और अल्बनीज ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दोस्ती के 75 साल पूरे होने के अवसर पर विशेष रूप से डिजाइन की गई गोल्फ कार पर पूरे मैदान में लैप ऑफ ऑनर लिया। दोनों नेताओं ने अपनी-अपनी टीम के कप्तानों रोहित शर्मा और स्टीव स्मिथ को टेस्ट कैप सौंपी। दोनों ही देशों के खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान भी बजाए गए। इसके बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हॉल ऑफ फेम संग्रहालय का भी दौरा किया।

मोदी, शाह ने सतीश कौशिक के निधन पर दुख व्यक्त किया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर तथा महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने गुरुवार को बॉलीवुड अभिनेता, फिल्म निर्माता सतीश कौशिक के निधन पर दुख व्यक्त किया हैं।

श्री मोदी ने आज ट्वीट किया, प्रख्यात फिल्मी हस्ती सतीश कौशिक के असामयिक निधन से दुखी हूं। वह एक रचनात्मक प्रतिभा थे। उन्होंने अपने विलक्षण अभिनय और निर्देशन की बदौलत सभी का दिल जीता। उनकी रचनाएं दर्शकों का मनोरंजन करती रहेंगी. उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। ओम शांति। श्री शाह ने ट्वीट किया, अभिनेता, निर्देशक और लेखक सतीश कौशिक जी के आकस्मिक निधन से गहरा दुख हुआ। भारतीय सिनेमा, कलात्मक कृतियों और प्रदर्शनों में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके शोक संतप्त परिवार और अनुयायियों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। ओम शांति शांति। श्री अनुराग ठाकुर ने ट्वीट किया, श्री सतीश कौशिक एक प्रशंसित अभिनेता और निर्देशक थे

जिन्होंने हमारे समय के कुछ सबसे यादगार सिनेमाई कार्यों को लिखा। उन्होंने हास्य अभिनय से दर्शकों को हंसाया और उनकी कला उनकी फिल्मोग्राफी के माध्यम से जीवित रहेगी। उनके निधन पर उनके परिवार और शुभचिंतकों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। श्रीमती स्मृति ईरानी ने सतीश कौशिक के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट किया, कैलेंडर चला गया। उन्होंने ट्वीट के साथ सतीश कौशिक का चित्र भी साझा किया। उल्लेखनीय है कि बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता और डायरेक्टर सतीश कौशिक का गुरुवार तड़के दिल का दौरा पड़ने से गुरुग्राम के फोर्टिस अस्पताल में निधन हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव में बोले राज्यपाल, उत्तराखंड योग की जन्मभूमि

ऋषिकेश। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गुरुवार को कहा कि यह अद्भुत अवसर है कि हम मां गंगा के तट पर होली के पावन अवसर पर एकत्र हुए हैं। होली रंगों का पर्व होने के साथ प्रेम बांटने का भी पर्व है। योग शरीर, मन और आत्मा का योग बनाता है। उत्तराखंड योग की जन्मभूमि है। यहां हिमालय की कन्दराओं में रहकर ही हमारे ऋषियों ने योग, ध्यान, पारम्परिक भारतीय जीवन शैली के परिष्कृत रूपों की खोज की है। राज्यपाल परमार्थ निकेतन में 35वें अन्तरराष्ट्रीय योग महोत्सव में बोल रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने कहा है कि एकम, हम सब एक परिवार हैं। हम एकता, ज्ञान, शक्ति और दिव्यता के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं, शक्ति का स्वरूप हैं, वेल और वेलनेस का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज में लैंगिक समानता की स्थापना होगी तो भगवान शंकर भी प्रसन्न होंगे। स्वामी चिदानन्द सरस्वती और साध्वी भगवती योग के माध्यम से पूरे विश्व में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में अद्भुत कार्य कर रहे हैं।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने वैश्विक योगी परिवार को योग के माध्यम से 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग का तात्पर्य ही है प्रकृति, पर्यावरण और मानवता के साथ संयोग। आज पूरे विश्व को पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने की जरूरत है। उत्तराखंड योग की जन्मभूमि है और यहां पर हिमालय की कन्दराओं में रहकर ही हमारे ऋषियों ने योग, ध्यान, पारम्परिक भारतीय जीवन शैली के परिष्कृत रूपों की खोज की हैं जो कि हर युग के लिये प्रासंगिक है। इसलिये योग के

साथ उसके मूल स्वरूप, सिद्धान्त और सार तत्व को भी अंगीकार करना जरूरी है।

साध्वी भगवती सरस्वती ने कहा कि हम सभी का परम सौभाग्य है कि हमें योग की जन्मभूमि ऋषिकेश में आकर योग को आत्मसात करने का अवसर प्राप्त हुआ। कोविड के बाद पूरी दुनिया ने योग के महत्व को स्वीकार किया। आप सब जब यहां से जाएं तो योग के प्रति और जागरूक होकर जाएं और योग के वास्तविक स्वरूप ,सार तत्व को अपने साथ लेकर जाएं।

इससे पूर्व राज्यपाल ,परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती, अन्तरराष्ट्रीय योग महोत्सव की निदेशक साध्वी भगवती सरस्वती और अन्य विशिष्ट अतिथियों, विश्व के अनेक देशों से आये योगाचार्यों, योग जिज्ञासुओं, धर्मगुरुओं और विभिन्न विधाओं के विशेषज्ञों ने दीप प्रज्ज्वलित कर अन्तरराष्ट्रीय योग महोत्सव का विधिवत शुभारम्भ किया। परमार्थ गंगा आरती में योगी प्रसिद्ध ड्रम वादक शिवमणि और रूणा रिज़वी के संगीत ओम नमः शिवाय, शिवाय नमः ओम के धूम पर मस्त हुए।

आज प्रातःकाल की शुरुआत कैलिफोर्निया, यूएसए के विख्यात योगाचार्य गुरुशब्द सिंह खालसा के नेतृत्व में कुंडलिनी साधना के साथ हुई। ईस्ट लंदन स्कूल ऑफ योगा के संस्थापक स्टीवर्ट गिलक्रिस्ट ने वृक्षयोग (द योगा ट्री), पाउला तापिया का चिकित्सीय योग प्रवाह और डॉ इंदु शर्मा ने पारंपरिक हठ योगासन, गंगा नंदिनी ने नाद योग जप और ध्यान, गोल्डन ब्रिज योग केंद्र के संस्थापक के नेतृत्व में कुंडलिनी योग, कैलिफोर्निया से प्रसिद्ध कुंडलिनी योग शिक्षक, गुरमुख कौर खालसा द्वारा 'ओपन देयर हार्ट टू द लाइट', रेडिएंट बॉडी योगा के संस्थापक किआ मिलर ने रेडिएंट इनर लाइट- हीलिंग ब्रीथ सीक्वेंस पर अद्भुत कार्यशाला का नेतृत्व किया। पावर विनयस का अभ्यास केटी बी हैप्पी ने कराया, एरिका कॉफमैन ने लाइव संगीत के साथ लीला सूर्य नमस्कार पर कार्यशाला की। वेद और वेदांत पर स्वामी स्वात्मानंद ने व्याख्यान दिया। साथ ही आयुर्वेद और योग के क्षेत्र में एक अग्रणी नाम मारिया एलेजांद्रा अचारियन ने आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। लॉस एंजिल्स, सीए में लोयोला मैरीमाउंट विश्वविद्यालय में योग और हीलिंग विज्ञान कार्यक्रम के निदेशक डॉ. ईडन गोल्डमैन ने योग एक सार्वभौमिक मानव भाषा, ऋषिकेश के मूल निवासी और सत्व योग अकादमी के संस्थापक आनंद मेहरोत्रा ने ब्रह्मांडीय आत्म और 'एक्सेस प्राण', रिकवरी 2.0 के संस्थापक टॉमी रोसेन ने परमात्मा की आवृत्ति में ट्यून करने का अभ्यास कराया।

विशेष योगाभ्यास कराए जाएंगे-

प्रातः 4:30 बजे से रात 9:30 बजे तक होगी, जिसमें प्रमुख रूप से अष्टांग योग, आयंगार योग, हठ योग, राज योग, भक्ति योग, गंगा योग, ध्यान, मुद्रा, वैदिक मंत्र, संस्कृतवाचन, आयुर्वेद, रेकी, लीला योग, विन्यास योग, कुण्डलिनी योग, जीवमुक्ति योग, सिन्तोह योग, सेमैटिक योग, डीप योग, नाड़ी योग एवं भारतीय दर्शन, डॉस आफ प्राण, द रूट आफ यम, योग राग, सूर्योदय नाद, श्रीकृष्ण बांसुरी राग, कास्मिक हार्ट, की भी कक्षायें सम्पन्न होगी।

ओडिशा : पुरी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग से 40 दुकानें खाक, 100 से ज्यादा लोगों को बचाया गया

पुरी। ओडिशा के पुरी में बुधवार रात एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लग गई जिससे 40 दुकानें खाक हो गईं, जबकि 100 से अधिक लोगों को बचाया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ग्रैंड रोड पर मरीचिकोट छक में लक्ष्मी मार्केट कॉम्प्लेक्स की पहली मंजिल पर कपड़ों की एक दुकान में रात करीब नौ बजे आग लग गई। उन्होंने बताया कि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की 40 दुकानों में से कुछ जलकर खाक हो गईं और दमकल की पांच गाड़ियां आग बुझाने के काम में लगी हैं। पुलिस ने बताया कि इमारत की छत पर फंसे तीन लोगों को दमकलकर्मियों ने बेहोशी की हालत में बाहर निकाला और उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि सदियों पुराने जगन्नाथ मंदिर के करीब स्थित इस इमारत की एक मंजिल पर एक होटल भी है। महाराष्ट्र के नासिक के करीब 106 पर्यटकों को होटल से सुरक्षित बचा लिया गया। उप दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार राउत ने बताया कि रात साढ़े दस बजे तक आग पर 90 प्रतिशत काबू पा लिया गया। पुरी के उप-कलेक्टर भवतारण साहू ने कहा, 'हम अभी भी यह पता लगाने में असमर्थ हैं कि आग कैसे लगी।' पुलिस ने कहा कि उन्हें संदेह है कि बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी।

ईडी ने बंगाल शिक्षक घोटाला मामले में टॉलीवुड अभिनेता बोनी सेनगुप्ता को किया तलब

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब बंगाली सिनेमा लिंक पर केंद्रित जांच के दूसरे चरण में प्रवेश करता दिख रहा है। मामले में केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने टॉलीवुड अभिनेता बोनी सेनगुप्ता उर्फ अनुप्रियो सेनगुप्ता को तलब किया है। अभिनेता ने कहा है कि वह मौजूदा सप्ताह के दौरान कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में साल्ट लेक में केंद्र सरकार के कार्यालय (सीजीओ) परिसर में एजेंसी के कार्यालय जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि गिरफ्तार युवा तृणमूल कांग्रेस के नेता कुंतल घोष के दस्तावेजों की क्रॉस-चेकिंग के बाद अभिनेता का नाम सामने आया, जो इस समय न्यायिक हिरासत में है। सूत्रों ने कहा कि सेनगुप्ता से इस बारे में पूछताछ की जाएगी कि क्या उनके और घोष के बीच कोई वित्तीय लेन-देन हुआ था और यदि हां, तो किस उद्देश्य से हुआ था। गौरतलब है कि सेनगुप्ता ने अपने अभिनय की शुरुआत बंगाली फिल्म बोरबाद से की, जिसका निर्देशन लोकप्रिय फिल्म निर्देशक और उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर विधानसभा क्षेत्र से वर्तमान तृणमूल कांग्रेस विधायक राज चक्रवर्ती ने किया था। सेनगुप्ता टॉलीवुड में बीते जमाने के लोकप्रिय अभिनेता-निर्देशक सुखेन दास के पोते हैं।

कोलकाता के पास फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 4 करोड़ जब्त

कोलकाता। बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों ने बुधवार शाम औचक छापेमारी के बाद कोलकाता के बाहरी इलाके राजारहाट-न्यूटाउन इलाके में एक फर्जी कॉल सेंटर से लगभग 4 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी जब्त की। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब्त की गई वास्तविक राशि 3.82 करोड़ रुपए से थोड़ी अधिक थी। अधिकारी ने कहा नकदी के अलावा, बड़ी मात्रा में सोने और चांदी के आभूषणों के साथ-साथ कई हाई-एंड प्रीमियम ब्रांड की कलाई घड़ियां भी फर्जी कॉल सेंटर से बरामद की गईं। जब्त की गई वस्तुओं का मूल्यांकन अभी किया जाना बाकी है। इसके अलावा कॉल सेंटर के बाहर से चार महंगे प्रीमियम वाहन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने इस सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से दो हावड़ा जिले के लिलुआह, दो महाराष्ट्र और एक गुजरात के रहने वाले हैं। पुलिस को संदेह है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति फर्जी कॉल सेंटर चलाने के अलावा अवैध हवाला लेनदेन में भी शामिल थे। अधिकारी ने कहा कि इस कॉल सेंटर के जरिए ये लोग मुख्य रूप से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बुजुर्ग नागरिकों को निशाना बनाते थे। अधिकारी ने कहा ?कि हमें संदेह है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति एक अंतर्राष्ट्रीय जालसाजी रैकेट का हिस्सा हैं। हम इस अवैध व्यापार में उनके सहयोगियों और मास्टरमाइंड के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए उनसे पूछताछ करेंगे।

पुणे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, अडाणी समूह की ईडी और जेपीसी से जांच कराने की मांग

पुणे। पुणे शहर में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शाखा के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि अडाणी समूह के वित्तीय मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराई जाए। पुणे शहर कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद शिंदे और पार्टी के अन्य नेताओं ने पुणे कलेक्ट्रेट के पास एसबीआई शाखा के बाहर विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। शिंदे ने पूछा, 'हमारे नेता राहुल गांधी अडाणी समूह के शेयर दुर्घटना मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई जांच शुरू नहीं की गई है। अडाणी समूह के शेयरों में एसबीआई और एलआईसी के निवेश को भारी नुकसान हुआ है। किसने एलआईसी और एसबीआई को अडाणी समूह के शेयरों में पैसा लगाने के लिए कहा?' उल्लेखनीय है कि अमेरिका से परिचालित हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के बाद अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, अडाणी समूह ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि वह सभी कानून और जानकारी देने संबंधी शर्तों का अनुपालन करता है।

पाकिस्तान से भारत में घुसने की कोशिश कर रहा था बांग्लादेशी, बीएसएफ ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक को आठ और नौ मार्च की दरमियानी रात को पंजाब के अमृतसर सेक्टर के राजाताल सीमा चौकी इलाके से पकड़ा गया। प्रवक्ता ने कहा, 'ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ जवानों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे व्यक्ति पर गोली चलाई और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया।' उन्होंने बताया, 'शुरुआती पूछताछ से पता चला है कि गिरफ्तार व्यक्ति एक बांग्लादेशी नागरिक है। उससे आगे की पूछताछ के आधार पर भावी कार्रवाई की दिशा निर्धारित की जाएगी। आपको बता दे कि इससे पहले छह मार्च को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार देर शाम राजस्थान के मुनाबाओ में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दो ईरानी नागरिकों को पकड़ा। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी थी। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा एकत्रित प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दो विदेशी एक भारतीय टैक्सी चालक के साथ थे और वे लगभग चार दिन पहले मुंबई से तेलंगाना के हैदराबाद के लिए निकले थे, लेकिन सिंध प्रांत में स्थित इसी नाम के पाकिस्तानी शहर को वैश्विक स्थान-निर्धारण प्रणाली (जीपीएस) ने गलत तरीके से ढूंढ लिया था।

74 वर्ष की महिला ने दिया जुड़वां बच्चों को जन्म, बना विश्व रिकॉर्ड

गुंटूर। दुनियाभर में हमेशा कुछ न कुछ ऐसा होता रहता है, जो अद्भुत कहलाता है। ये ऐसी बातें या घटनाएं होती हैं, जिन पर हमें विश्वास नहीं होता है। लेकिन ऐसा होता है। आज हम जिस बात के बारे में बताने जा रहे हैं, वह भी कुछ ऐसी ही है। दरअसल आंध्र प्रदेश के गुंटूर शहर के अस्पताल में गुरुवार सुबह एक 74 वर्षीय महिला ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। इन व्रिटो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) प्रक्रिया के माध्यम से गर्भ धारण करने वाली मंगायम्मा ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। यह सर्वाधिक उम्र में मां बनने का विश्व रिकॉर्ड है। इसके पहले 70 वर्षीय दलजिंदर कौर को बच्चे को जन्म देने वाली दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला माना जाता था। हरियाणा की कौर ने 2016 में एक आईवीएफ प्रक्रिया के माध्यम से एक बच्चे को जन्म दिया था। चार डॉक्टरों की एक टीम ने सिजेरियन ऑपरेशन किया।

भाजपा-नीत सरकार ग्रेटर टिपरालैंड जैसी मांगों का कभी समर्थन नहीं करेगी: साहा

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और टिपरा मोथा सुप्रीमो प्रद्योत किशोर देबबर्मा के बीच हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के एक दिन बाद गुरुवार को कहा कि भाजपा-नीत सरकार ''टिपरालैंड'' या ''ग्रेटर टिपरालैंड'' जैसी मांगों का कभी समर्थन नहीं करेगी। ''ग्रेटर टिपरालैंड की मांग करने वाली क्षेत्रीय पार्टी टिपरा मोथा ने 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ा और 60 सदस्यीय त्रिपुरा विधानसभा में 13 सीटें जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। मुख्यमंत्री साहा ने कहा, ''मूल निवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को कैसे ऊपर उठाया जाए, इस लेकर हमने जनजातीय कल्याण पर चर्चा की। बैठक में वार्ताकार नियुक्त करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया, लेकिन जनजातीय कल्याण पर चर्चा हुई।''

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ बैठक के तुरंत बाद, देबबर्मा ने दावा किया था कि केंद्र सरकार सुधारात्मक उपाय करने के लिए जनजातीय लोगों की समस्याओं के मद्देनजर आधिकारिक तौर पर एक वार्ताकार नियुक्त करेगी। सीएम साहा ने फिर कहा कि जनजातीय कल्याण भाजपा-इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) सरकार के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र होगा। साहा ने कहा कि सरकार 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा जारी दृष्टिकोण पत्र पर काम करेगी। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी की संभावनाओं के बारे में पूछने पर मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा न केवल त्रिपुरा में बल्कि पूरे पूर्वोत्तर में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

उन्होंने कहा, हमें अगले आम चुनावों में पूर्वोत्तर में 2019 के चुनावों में पार्टी की सीटों की तुलना में अधिक सीटें मिलेंगी। मंत्रिमंडल की पहली बैठक के बारे में सीएम ने कहा कि बिनय भूषण दास को विधानसभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया था और लेखानुदान पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा, ''नए मंत्रियों के विभागों का जल्द ही बंटवारा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल में कुछ नए चेहरों को लाना भाजपा सरकार की सामान्य कवायद है। पिछले मंत्रिमंडल के चार सदस्यों को इस बार हटा दिया गया था। चुनाव के बाद हुई हिंसा पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''कुछ खबरें मेरी जानकारी में आ रही हैं। एक निहित स्वार्थी समूह परेशानी पैदा करने की कोशिश कर रहा है। मैंने डीजीपी से स्थिति को मजबूती से संभालने के लिए कहा है।

किसानों की बात करना बंद करो वरना... टिकैत परिवार को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राकेश टिकैत के परिवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। किसान नेता ने केंद्रीय गृह मंत्री और सीएम योगी से बाहरी राज्यों में सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। पुलिस ने कहा कि मेरठ के किसान नेता राकेश टिकैत के परिवार को कथित तौर पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया और उनके ÷सरकार विरोधी अभियान÷ के लिए पूर्व और उनके परिवार को उड़ाने की धमकी दी गई। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के प्रवक्ता के भतीजे गौरव टिकैत का बुधवार रात फोन आया। उसकी शिकायत पर मुजफ्फरनगर के भौराकलां थाने में मामला दर्ज किया गया। भैरकलां पुलिस स्टेशन के एसएचओ अक्षय शर्मा ने कहा कि 'अज्ञात कॉलर पर आईपीसी की धारा 507 के तहत मामला दर्ज किया गया है और उसकी पहचान के लिए जांच की जा रही है।

एजेंसी से बात करते हुए बीकेयू यूथ विंग के अध्यक्ष गौरव टिकैत और संगठन के प्रमुख नरेश टिकैत के बेटे ने साझा किया कि उन्हें रात 9 बजे के आसपास कॉल आया। गौरव ने कहा, 'शुरुआत में मैंने इसे गंभीरता से नहीं लिया और कॉल काट दिया। बीकेयू यूथ विंग के प्रमुख ने कहा कि उस व्यक्ति के फिर से कॉल करने के बाद हमने इसे गंभीरता से लिया। कॉलर ने कहा कि राकेश टिकैत देश भर में घूम रहे हैं और आप लोग सरकार के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि फोन करने वाले ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और राकेश टिकैत के परिवार के सदस्यों को सरकार के खिलाफ ÷अपना अभियान÷ जारी रखने उड़ा देने की धमकी दी। मुजफ्फरनगर में परिवार को बम से उड़ाने की धमकी दिए जाने के बाद किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत ने सरकार से सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। उन्होंने देश के गृह मंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा कि परिवार के सदस्य दूसरे राज्यों में भी जाते हैं। इसलिए उन्हें वहां भी समुचित सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

विदेशी नहीं जानते राहुल गांधी वास्तव में पप्पू हैं, उनके मूर्खतापूर्ण बयानों पर प्रतिक्रिया देना आवश्यक नहीं : किरेन रिजिजू

-राहुल गांधी कैंब्रिज विश्वविद्यालय में दिए अपने संबोधन को लेकर सत्ता पक्ष के निशाने पर

लखनऊ (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी कैंब्रिज विश्वविद्यालय में दिए अपने संबोधन को लेकर सत्ता पक्ष के निशाने पर हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उनके खिलाफ ताजा हमला किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत की एकता के खिलाफ खतरा बन चुके हैं। वह भारत को बांटने के लिए लोगों को उकसा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वघोषित कांग्रेस राजकुमार ने सारी हदें पार कर दी हैं। रिजिजू ने ट्वीट कर कहा कि भारत के लोग जानते हैं कि राहुल गांधी पप्पू हैं, लेकिन विदेशी यह नहीं जानते कि वह वास्तव में पप्पू हैं। उनके मूर्खतापूर्ण बयानों पर प्रतिक्रिया देना आवश्यक नहीं है, लेकिन समस्या यह है कि उनके भारत विरोधी बयानों का भारत विरोधी ताकतों द्वारा भारत की छवि को धूमिल करने के लिए दुरुपयोग किया जाता है। कैंब्रिज विश्वविद्यालय में राहुल गांधी के भाषण का वीडियो ट्वीट करते हुए उन्होंने यह हमला किया है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भारत की वास्तुकला को नष्ट करने का आराप लगाया। वहीं, रिजिजू ने कहा कि पीएम मोदी का एकमात्र मंत्र एक भारत, श्रेष्ठ भारत है।

कैंब्रिज में बातचीत के दौरान राहुल से पूछा गया कि क्या उन्हें नरेंद्र मोदी सरकार की कोई नीति अच्छी लगती है। इसका जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बुनियादी तौर पर वह असहमत हैं, एक-दो अच्छी चीजें ढूंढ लेने से सारी बातें छूट जाती हैं। उन्होंने कहा कि मेरे विचार में नरेंद्र मोदी भारत की वास्तुकला को नष्ट कर रहे हैं। मुझे दो या तीन अच्छी नीतियों के बारे में परवाह नहीं है। वह मेरे देश को चकनाचूर कर रहे हैं। वह भारत पर एक विचार थोप रहे हैं, जिसे भारत आत्मसात नहीं कर सकता। भारत राज्यों का एक संघ है। यदि आप एक विचार को एक संघ पर थोपने की कोशिश करते हैं, तो वह इसकी प्रतिक्रिया देगा। भाजपा और कांग्रेस राहुल गांधी के लंदन के उन बयानों को लेकर एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं, जिसमें कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी एवं भाजपा सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने चीनी खतरे के बारे में विदेश मंत्री एस जयशंकर की समझ पर सवाल उठाया और आरएसएस की तुलना मुस्लिम ब्रदरहुड से की थी।

भाजपा विधायक को जमानत देने को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी

-लोकायुक्त न्यायमूर्ति ने शुरु की तैयारी

बेंगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक की लोकायुक्त पुलिस टेंडर घोटाले में कथित रिश्वत मामले में भाजपा विधायक विरुपाक्षप्पा मदल को जमानत देने को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने पर विचार कर रही है। सूत्रों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि लोकायुक्त न्यायमूर्ति बी.एस. पाटिल ने इस संबंध में तैयारी शुरू कर दी है। यह मामला 17 मार्च को कर्नाटक उच्च न्यायालय के सामने आ रहा है और लोकायुक्त भी जमानत खारिज करने के लिए अदालत के समक्ष दस्तावेज, सबूत और दलीलें मजबूती से पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। आरोपी भाजपा विधायक विरुपाक्षप्पा को गुरुवार को लोकायुक्त अधिकारियों के सामने पेश होना होगा, क्योंकि अदालत द्वारा दी गई 48 घंटे की समय सीमा समाप्त होगी। सूत्रों ने बताया कि आरोपी विधायक पूछताछ के लिए पेश होने के लिए अपने गृह नगर से बेंगलुरु पहुंचे हैं। विधायक 6.1 करोड़ रुपये नकद के लिए संबंधित दस्तावेज भी लाए हैं, जो लोकायुक्त के छापे के दौरान उनके आवास पर मिले थे। उनके बेटे, प्रशांत मदल को सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई कर्नाटक साबुन और डिटर्जेंट लिमिटेड (केएसडीएल) को कच्चे माल की खरीद के लिए कथित रूप से 40 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया था। आरोपी विधायक केएसडीएल के अध्यक्ष थे और उनका बेटा कथित रूप से अपने पिता की ओर से रिश्वत ले रहा था। अधिकारियों ने आरोपी भाजपा विधायक विरुपक्षप्पा और उनके बेटे प्रशांत के आवासों से 8.12 करोड़ रुपये, 1.6 किलोग्राम सोना जब्त किया था, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया था।

मछुआरों ने पकड़ा कैमरा व माइक्रोचिप से लैस जासूसी कबूतर, पंखों पर लिखा संदेश, जांच में जुटी पुलिस

पारादीप। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले के पारादीप तट के पास कैमरा और माइक्रोचिप से लैस एक कबूतर पकड़ा गया है। पुलिस को संदेह है कि पक्षी का इस्तेमाल जासूसी के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कुछ दिन पहले कुछ मछुआरों ने समुद्र में मछली पकड़ते हुए कबूतर को अपनी नाव (ट्रॉलर) पर बैठा पाया था। पक्षी को पकड़ लिया गया है और बुधवार को यहां मरीन पुलिस को सौंप दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हमारे पशु चिकित्सक पक्षी की जांच करेंगे। हम इसके पैरों से जुड़े उपकरणों की जांच के लिए राज्य फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की मदद लेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि ये उपकरण एक कैमरा और एक माइक्रोचिप हैं। हालांकि, क्या है जांच में सामने आएगा। उन्होंने बताया पक्षी के पंखों पर स्थानीय पुलिस के लिए कुछ अज्ञात भाषा में लिखा गया है। इसको समझने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी, ताकि पता चल सके कि यह कौन सी भाषा है और यह क्या लिखा है। इससे पहले विदेशी मीडिया में अमेरिका के आसमान में उड़ते हुए जासूसी उपकरणों का जिक्र किया गया, इसके बाद अब भारत भी चर्चा में है। उल्लेखनीय कि हाल ही में अमेरिका के आसमान में चीन के जासूसी गुब्बारे को मार गिराया गया था। इसके कुछ ही दिन बाद 3 और संदिग्ध चीजें आसमान में उड़ती हुई देखी गई थीं। हालांकि, भारत के मामले में अभी यह जांच में साफ हो पाएगा कि कबूतर कहां से आया और उसके पैरों में बंधी अजीब सी चीज क्या है।

महाराष्ट्र में भाजपा से दुश्मनी, नगालैंड में दोस्ती...पवार की कूटील राजनीति

-महाविकास अघाड़ी गठबंधन में पड़ सकती हैं दरार

मुंबई (एजेंसी)। राजनीति के पुराने चाणक्य एनसीपी सुप्रीमो और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के दिमाग में क्या चल रहा है। इसका अंदाजा लगाना उनके सहयोगियों ने लिए भी काफी मुश्किल होता है। एक ओर महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में एनसीपी की सहयोगी उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना बीजेपी को पानी पी-पीकर कोस रही है। इस बीच शरद पवार ने नगालैंड में एनडीपीपी-बीजेपी गठबंधन को अपना समर्थन दिया है। हालांकि, पवार ने स्पष्ट कर दिया है, कि गठबंधन को समर्थन देने का मतलब बीजेपी को समर्थन देना नहीं है। हालिया चुनाव में एनसीपी ने 7 सीटों पर कब्जा जमाया है। बीजेपी को 12 सीटें मिली हैं। वहीं एनडीपीपी (नेशनल डेमोक्रेटिक पीपुल्स पार्टी) ने कुल 60 सीटों में 25 सीटें चुनाव में जीती हैं। एनडीपीपी और बीजेपी का चुनाव से पहले गठबंधन था। एनसीपी का कहना है कि इस मामले पर हमारी एनडीपीपी के नेफ्यू रियो के साथ पहले ही चर्चा हुई थी। एनसीपी ने नगालैंड की जनता के हित को ध्यान में रखकर रियो को समर्थन दिया है। एनसीपी के प्रवक्ता नरेंद्र वर्मा ने कहा कि नगालैंड में चुने हुए विधायकों की इच्छा थी कि जनता के हित के लिए हमें सरकार का हिस्सा होना चाहिए। इसके बाद में यह मुद्दा एनसीपी प्रमुख पवार के पास लाया गया। जिस पर पवार ने समर्थन देने की बात कही है। एनसीपी ने साफ किया हैं कि हमारा समर्थन पूरी तरह से रियो के लिए है। बीजेपी को हमने अपना समर्थन नहीं दिया है।

पवार के फैसले का असर महाराष्ट्र में सहयोगी शिवसेना और कांग्रेस पर भी पड़ सकता है।ठाकरे गुट के विधायक भास्कर जाधव के अनुसार उन्हें एमवीए की बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी नहीं है। चर्चा है कि विधानसभा बजट सत्र के एक दिन पहले एमवीए नेताओं की संयुक्त बैठक हुई। जिसमें अप्रैल और मई के महीने में संयुक्त रैलियों को लेकर चर्चा हुई। माना जा रहा है कि मीटिंग में नगालैंड में एनडीपीपी के समर्थन को लेकर भी चर्चा हुई। हालांकि, इस बात की भी चर्चा है की पवार ने उद्धव ठाकरे को इस बारे में विश्वास में नहीं लिया।

साल 2014 के चुनाव में बीजेपी राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई थी। हालांकि, वह बिना सहारे के सरकार बना पाने की हालत में नहीं थी। उस समय भी एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने बीजेपी को सरकार में बाहर से समर्थन देने की घोषणा की थी। उस समय देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के सीएम बने थे। पवार ने कहा कि चुनाव के पहले मेघालय में चुनाव के दौरान पीएम मोदी और अमित शाह ने विरोधियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। जबकि नतीजे आने के बाद उन्होंने उन्हीं के साथ सरकार बनाने के लिए गठबंधन कर लिया।

कश्मीर में कभी आतंकवादियों का गढ़ हुआ करता था डोडा ! सेना ने आतंक को जड़ से किया साफ और लहराया 100 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी जिले डोडा में गुरुवार को भारतीय सेना द्वारा 100 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया गया। चिनाब घाटी क्षेत्र में सेना द्वारा फहराया गया यह दूसरा ऐसा हाई-मास्ट ध्वज था। रिपोर्टर्स् में कहा जाता है कि यह जगह एक दशक पहले आतंकवाद का गढ़ हुआ करती थी। पिछले साल जुलाई में, पास के किश्तवाड़ शहर में 100 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया था।

सेना के डेल्टा फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अजय कुमार ने सेक्टर 9, राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडर, ब्रिगेडियर समीर के पलांडे, डोडा के उपायुक्त विशेष पॉल महाजन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अब्दुल कयूम के साथ डोडा स्पोर्ट्स स्टेडियम में सबसे ऊंचे झंडे को फहराया। मेजर जनरल कुमार ने राष्ट्र की सेवा में शहीद हुए सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया और नागरिक समाज के उन सदस्यों को भी सम्मानित किया जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जीओसी ने कहा, 'सबसे ऊंचा झंडा चिनाब घाटी क्षेत्र के अनगिनत सैनिकों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।' उन्होंने कहा कि डोडा में अपनी तरह का पहला 100 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज न केवल सेना के लिए बल्कि पहाड़ी जिले के सभी निवासियों के लिए गर्व का क्षण था। मेजर जनरल कुमार ने कहा, 'राष्ट्रीय ध्वज, जिसे दूर से देखा जा सकता है, हर नागरिक को देश के लिए गर्व महसूस कराएगा।' डोडा की खूबसूरत और सेहतमंद पहाड़ियों के बीच स्थित, यह झंडा इस स्थान के आकर्षण को और बढ़ा देता है।

डोडा के उपायुक्त विशेष पॉल महाजन ने कहा कि 'प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ध्वज जो लंबा और सुंदर खड़ा है, की भावना को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है, लेकिन निश्चित रूप से यह भारत के प्रत्येक नागरिक को गर्व से भर रहा है। यह निश्चित रूप से देश के लिए अपनेपन की भावना पैदा करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।' डोडा के निवासी, विशेष रूप से युवा पीढ़ी। स्थानीय लोगों, विशेष रूप से छात्रों और 'वीर नारियों' (युद्ध विधवाओं) ने, जो इस कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे, सेना के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारतीय सेना के इतिहास में सबसे अलंकृत सैनिक नायब सूबेदार चुन्नी लाल की पत्नी चिंता देवी ने कहा, 'इस कार्यक्रम में हमें आमंत्रित करके, सेना ने मुझे मेरे शहीद पति की उपलब्धियों पर गर्व महसूस कराया है। यह हमारी सेना की सुंदरता है कि वे सैनिकों और उनके परिवारों के बलिदान को कभी नहीं भूलती हैं।'

24 जून, 2007 को नायब सूबेदार लाल, जिन्हें अशोक चक्र (मरणोपरांत), वीर चक्र और सेना पदक से सम्मानित किया गया था, ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के माध्यम से घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे आतंकवादियों के एक समूह से लड़ते हुए देश की सेवा में अपना बलिदान दिया।

डोडा की एक छात्रा सिमरन शर्मा (14) ने कहा कि वह इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने के लिए भाग्यशाली है। समारोह में हिस्सा लेने वाली एक लड़की ने कहा 'मैं इस ऐतिहासिक अवसर पर मुझे प्रदर्शन करने देने के लिए सेना का भी आभारी हूं। यह गर्व की भावना मेरे जीवन के बाकी हिस्सों के लिए मेरे साथ रहेगी। डोडा के सरकारी डिग्री कॉलेज के छात्र ताहिर फारूक ने कहा कि वह जंबो ध्वज की स्थापना पर गर्व महसूस कर रहा है क्योंकि वह उस समय की याद दिलाता है जब आतंकवाद के कारण कहीं भी राष्ट्रीय ध्वज नहीं देखा जाता था।

रूस मिसाइल ने यूक्रेन के कई शहरों को बनाया निशाना, पांच लोगों की मौत

कीव। रूस ने बृहस्पतिवार को तड़के यूक्रेन के कई शहरों में बड़े पैमाने पर मिसाइल हमले किए, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए है। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पश्चिमी ल्वीव क्षेत्र के गवर्नर मक्सिम वोजित्स्की ने बताया कि एक मिसाइल के ज्लोचेव्स्की जिले के एक आवासीय क्षेत्र में गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बचाव कर्मी मलबे में बचे हुए लोगों की तलाश में जुटे हैं। दिनप्रॉपेत्रोपवस्क के गर्वनर सेरही लिसाक ने बताया कि क्षेत्र में कई मिसाइल हमले हुए जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हुए हैं। कीव के मेयर ने दो जिलों में नुकसान की जानकारी दी और खार्कीव और ओडेसा के गवर्नर ने भी आवासीय इमारतों में हमलों की जानकारी दी। उत्तरी शहर चेर्नीहीव में भी विस्फोटों की सूचना मिली है। नीपर, लुत्सक और रीवने शहर में भी ऐसे ही हमलों की खबर है। रूस पिछले साल अक्टूबर से इस तरह की मिसाइलों से यूक्रेन के शहरों को निशाना बना रहा है। इससे पहले इस साल 16 फरवरी को ऐसा ही एक बड़ा हमला किया गया था।

उइगर मुस्लिमों के लिए आवाज उठाने वाला संगठन नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित, चीन ने जताई नाराजगी

उइगर मुस्लिमों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संगठन को साल 2023 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। जर्मनी स्थित उईघुर अधिकार समूह वर्ल्ड उईघुर कांग्रेस को शांति, लोकतंत्र और उइगर व अन्य तुर्क लोगों की दुर्दशा के लिए अपने काम के लिए 2023 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। नामांकन पत्र के अनुसार ये कैटेगरी 'दमनकारी शासन' के रूप में वर्णित है। कनाडा के सांसदों और नॉर्वे में युवा उदारवादियों के एक नेता, नॉर्वे के वेंस्ट्रे राजनीतिक दल के युवा विंग ने संगठन को नामांकित किया।

क्या काम करता है संगठन

जर्मनी स्थित वर्ल्ड उइगुर कांग्रेस शांति, लोकतंत्र और उइगुर मुस्लिमों के कल्याण के लिए काम करती है। विश्व उईघुर कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य उइघुर लोगों के लिए लोकतंत्र, मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देना और शांतिपूर्ण, अहिंसक और लोकतांत्रिक साधनों के उपयोग का समर्थन करना है ताकि उइगरों को आत्मनिर्णय हासिल करने में मदद मिल सके। हालांकि समिति ने नियमों के कारण नोबेल शांति नामांकित व्यक्तियों के नामों का खुलासा नहीं किया, समूह को नामांकित करने वाले कनाडा के संसद के दो सदस्यों में से एक एलेक्सिस ब्रुनेल-ड्यूसेप ने नाम का खुलासा किया और वीओए के साथ पत्र साझा किया।

चीन ने जताई नाराजगी

नामांकन पत्र में उल्लेख किया गया है कि विश्व उइगर कांग्रेस ने चीनी सरकार द्वारा 'भौतिक, धार्मिक, भाषाई और सांस्कृतिक दमन के अभियान' ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। वहीं वर्ल्ड उइगर कांग्रेस के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की खबर पर नाजाजगी जाहिर की है। वॉशिंगटन स्थित चीनी दूतावास ने इसकी आलोचना की है। चीनी दूतावास ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि ये विश्व शांति और विकास में योगदान देगा ना कि कुछ राजनैतिक हथियार के रूप में काम करेगा।

वैश्विक आउटेज के बाद इंस्टाग्राम की सेवाएं बहाल

सैन फ्रांसिस्को । सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम ने कहा कि उसने तकनीकी समस्या को ठीक कर लिया है, जिसके कारण उपयोगकर्ताओं को प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में परेशानी हो रही थी। कंपनी ने ट्वीट किया, एक तकनीकी समस्या के कारण लोगों को इंस्टाग्राम तक पहुंचने में परेशानी हुई। हमने इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझा लिया है और हम किसी भी असुविधा के लिए क्षमा चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 87 प्रतिशत से अधिक लोगों ने एप्लिकेशन का उपयोग करते समय, 10 प्रतिशत ने वेबसाइट का उपयोग करते समय और 3 प्रतिशत ने लॉग इन करते समय समस्याओं की सूचना दी। ट्विटर पर कई उपयोगकर्ताओं ने इस मुद्दे की सूचना दी। वहीं एक यूजर ने कहा, क्या इंस्टाग्राम डाउन है या मेरा इंटरनेट सिर्फ ट्रैश है? दूसरे ने पूछा, क्या मैं अकेला हूं जिसका इंस्टाग्राम डाउन हुआ है? रील्स और एक्सप्लोर पेज लोड नहीं हो रहे हैं।

पाकिस्तान में औरत मार्च के दौरान पुलिस और महिलाओं में झड़प

लौहार । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित एक रैली औरत मार्च ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पाकिस्तान भर में महिलाओं द्वारा अपनी शिकायतों को सुनने और नारीत्व का जश्न मनाने के लिए हर साल आयोजित की जाने वाली औरत मार्च प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प के दौरान हिंसक हो गई। देखते ही देखते प्रेस क्लब के बाहर एक हिंसक लड़ाई छिड़ गई। विभिन्न क्षेत्रों से महिलाएं और ट्रांसजेंडर लोग औरत मार्च रैली के लिए एकत्र हुए, जहां पुलिस ने उपस्थित लोगों को डंडों से पीटा और कथित तौर पर रैली को रोकने की कोशिश की। पुलिस ने कहा कि रैली में शामिल होने की कोशिश कर रहे ट्रांसजेंडर लोगों की बड़ी संख्या पर सवाल उठाने के बाद रैली में भाग लेने वालों और पुलिस के बीच बहस हो गई, पुलिस ने कहा कि महिलाओं के बड़े समूह मार्च में शामिल हो रहे थे। मार्च में शामिल महिलाओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने रैली को रोकने की बहुत कोशिश की। रैली के दौरान, प्रतिभागियों ने महिलाओं के अधिकारों के लिए नारे लगाए और ट्रांसजेंडर लोगों द्वारा शामिल हो गए, जिनसे पुलिस ने पूछताछ की। जल्द ही इस्लामाबाद प्रेस क्लब के बाहर गंभीर अव्यवस्था फैल गई और मार्च करने वालों ने सरकार और मीडिया के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए।

नतुना द्वीप में भीषण भूस्खलन के बाद 21 लोगों की मौत

-लगातार बारिश से बचाव कार्य में आ रही दिक्कतें

जकार्ता। इंडोनेशिया के सुदूर नतुना द्वीप में भीषण भूस्खलन के बाद फैले मलबे से बचावकर्मियों के और शव बरामद करने के बाद, इस प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। राष्ट्रीय आपदा निवारण एजेंसी ने कहा कि नतुना क्षेत्र में एक दूरस्थ द्वीप पर जेटिंग और पंगकलां गांवों में खोज अभियान चलाया जा रहा है। वहां मूसलाधार बारिश के बाद हुए भूस्खलन में 30 मकान मलबे में दब गए थे। बयान के अनुसार, अधिकारियों ने खोज एवं बचाव एजेंसी, पुलिस और सेना के 200 से अधिक बचावकर्मियों को 33 लोगों की तलाश के लिए तैनात किया है, जो अब भी लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा निवारण एजेंसी के प्रमुख ने बताया कि आठ लोगों को जिंदा मलबे से निकाला गया, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। घटनास्थल पर तेज बारिश होने के कारण बचाव अभियान में दिक्कत आ रही है। हम लापता लोगों का पता लगाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि श्वान दस्ते का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। बुधवार को जकार्ता और आसपास के द्वीपों से बचाव दल, चिकित्सा दल और तंबू, कंबल तथा भोजन सहित राहत सामग्री लेकर दो हेलीकॉप्टर और कई जहाज यहां पहुंचे।

आईएसआई के पूर्व प्रमुख फैज हमीद के खिलाफ जांच जारी

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा कि जांच एजेंसियां देश की खुफिया इकाई आईएसआई के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के खिलाफ जांच कर रही है। बता दें कि इससे पहले पाकिस्तान की सत्ताधारी पार्टी पीएमएल-एन की मुख्य आयोजक मरियम नवाज ने अपने और अपने पिता पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के पूर्व स्पाईमास्टर सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के तत्काल कोर्ट मार्शल की मांग की थी। इसके पहले अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के कोर्ट मार्शल की मांग की थी।

वेलेंशिया में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ईरानी महिलाओं के समर्थन में उतरी महिलाओं ने अपने बाल काटे

भारत में अमेरिकी राजदूत के रुप में एरिक गार्सेटी को चुना गया

वॉशिंगटन। अमेरिका ने आखिरकर भारत के लिए अपना राजदूत चुन लिया है। सीनेट की विदेश संबंध समिति ने 13-8 के वोटों से भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में एरिक गार्सेटी का नाम चुना है। गार्सेटी लॉस एंजलिस के पूर्व मेयर हैं। अमेरिकी राजदूत का पद भारत में लगभग दो साल से खाली था। इतने लंबे समय से कोई भी राजदूत न होने को विशेषज्ञ दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास के तौर पर देख रहे थे। हालांकि इस प्रतिष्ठित राजनयिक पद के लिए जुलाई 2021 में राष्ट्रपति बाइडेन ने गार्सेटी को नोमिनेट किया था। नामांकन अब फाइनल वोटिंग के लिए सीनेट फ्लोर पर जाएगा। हालांकि गार्सेटी जब मेयर थे, तब एक पूर्व वरिष्ठ सलाहकार ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। कुछ सांसदों ने यह कहकर उनकी नियुक्ति का विरोध किया था कि वह यौन उत्पीड़न के आरोपों से प्रभावी ढंग से निपटने में नाकाम रहे थे। दो रिपब्लिकन सांसदों टॉड यंग और बिल हेगर्टी नामांकन पारित करने के लिए डेमोक्रेटिक सांसदों के साथ शामिल हो गए। सीनेटर टॉड यंग ने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन को संतुलित करने की आवश्यक्ता का हवाला देकर नामांकन के पक्ष में वोट दिया। यंग ने कहा, चीन को संतुलित करने के लिए, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत में राजदूत का होना हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों में है।

चीन और पाकिस्तान के साथ और बिगड़ेंगे भारत के रिश्ते, यूएस खुफिया तंत्र ने कहा - हो सकता है संघर्ष

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों को लेकर बड़ा दावा किया है। यूएस इंटेलिजेंस ने सांसदों से आशंका जताई है कि भारत पाकिस्तान और भारत चीन के बीच तनाव बढ़ सकता है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच संघर्ष की आशंका भी जताई है। एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि विवादित सीमा पर भारत और चीन दोनों की विस्तारित सैन्य मुद्राएं दोनों परमाणु शक्तियों के बीच सशस्त्र टकराव के जोखिम को बढ़ाती हैं। यूएस इंटेलिजेंस कम्युनिटी के वार्षिक खतरे के आकलन ने बताया कि भारत और चीन के बीच पिछले गतिरोध से पता चला है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लगातार निम्न-स्तर के घर्षण में तेजी से बढ़ने की क्षमता है।

विवादित सीमा पर भारत और चीन दोनों की विस्तारित सैन्य मुद्रा दो परमाणु शक्तियों के बीच सशस्त्र टकराव के जोखिम को बढ़ाती है जिसमें अमेरिकी लोगों और हितों के लिए सीधा खतरा हो सकता है और अमेरिकी हस्तक्षेप की मांग की जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत-चीन संबंध 2020 में देशों की घातक गलवान झड़प के मद्देनजर तनावपूर्ण रहेंगे, जो दशकों में सबसे गंभीर है, भले ही दोनों पक्ष सीमा वार्ता में लगे हुए हैं। यह रिपोर्ट विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा अपने चीनी समकक्ष को भारत-चीन संबंधों की स्थिति 'असामान्य' बताए जाने के कुछ दिनों बाद आई है।

पूर्वी लद्दाख में 34 महीने से अधिक समय से चल रहे सीमा विवाद के बीच 2 मार्च को जी20 विदेश मंत्रियों के सम्मेलन से इतर जयशंकर की किन गैंग के साथ पहली आमने-सामने मुलाकात हुई। भारत का कहना है कि जब तक सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति नहीं होगी तब तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते।

पाक कर रहा गुपचुप खेल, यूक्रेन को पहुंचा रहा हथियार तो रूस से ले रहा गेहूं

इस्लामाबाद । यूक्रेन युद्ध में पाकिस्तान एक ऐसा देश है, जो दोनों तरफ से खेल रहा है। जुलाई 2022 से ही पाकिस्तान लगातार यूक्रेन को चुपचाप हथियारों की सप्लाई कर रहा है। ऐसा करके साफ दिख रहा है कि पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी देशों के साथ खड़ा है, लेकिन पाकिस्तान इस बात से इंकार करता रहा है कि उसने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति की है। पाकिस्तान के विदेश प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान संघर्षों में हस्तक्षेप नहीं करता। हालांकि, यह एक तरह का दिखावा है, क्योंकि पाकिस्तान का रिकॉर्ड रहा है कि वह दूसरों के युद्ध में जरूर हिस्सा लेता है। 1980 के दशक में अफगानिस्तान में रूस के खिलाफ संघर्ष में इसने अमेरिका का साथ दिया। बाद में 2001 में अमेरिका जब अफगानिस्तान में पहुंचा तो एक बार फिर वह युद्ध में शामिल हो गया। दूसरी तरफ ऐसा दिख रहा है कि रूस गहरे आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मदद दे रहा है। रूस ने पाकिस्तान को 50 हजार मीट्रिक टन गेहूं भेजा है।

अफगानिस्तान में बाल्ख प्रांत के गवर्नर को बम से उड़ाया

- आईएसआईएस बना तालिबान के लिए अब बहुत बड़ा खतरा

काबुल (एजेंसी) अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज तालिबानी आतंकियों को सालों बाद बहुत बड़ा झटका लगा है। तालिबान के सीनियर कमांडर और बाल्ख प्रांत के गवर्नर दाऊद मुजम्मिल की बम हमला करके हत्या कर दी गई है। मीडिया के अनुसार यह हमला मजार शहर में हुआ। हमलावर ने आतंकी कमांडर के ऑफिस में घुसकर उन्हें बम से उड़ा दिया। तालिबान ने बताया कि इस हमले कुल दो लोग मारे गए हैं। तालिबान ने बताया कि यह हमला 9 मार्च को हुआ। बम धमाका बहुत जोरदार था, जिसमें दाउद मुजम्मिल की मौत हो गई। प्रांत के पुलिस प्रवक्ता आसिफ वजीरी ने इस हमले की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद दाऊद मुजम्मिल उन शीर्ष तालिबानी अधिकारियों में शामिल हैं, जिनकी हाल के दिनों में हत्या की गई है। अब तक किसी भी गुट ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं है।

अफगानिस्तान में इन दिनों आईएसकेपी के आतंकी लगातार तालिबान के खिलाफ भीषण हमले कर रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों चीन और पाकिस्तान के दूतावासों को भी निशाना बनाया था। आईएसकेपी के इन हमलों के बाद तालिबान ने भी उसके खिलाफ कई सैन्य अभियान चलाए हैं। तालिबान ने कई आईएसकेपी आतंकियों को मार गिराने का दावा भी किया है। इससे पहले अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र दोनों ने ही अफगानिस्तान में हालात को गंभीर बताया था। दाऊद मुजम्मिल को शुरू में नांगरहार प्रांत का गवर्नर बनाया गया था, जहां उसने आईएसआईएस के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व किया था। इसके बाद पिछले साल ही उसे बाल्ख प्रांत की जिम्मेदारी दी गई थी। बुधवार को उसने अफगानिस्तान के दो उप प्रधानमंत्रियों के साथ मुलाकात की थी। साथ ही सिंचाई परियोजना की समीक्षा की थी। आईएसआईएस तालिबान के लिए अब बहुत बड़ा खतरा बन गया है और लगातार उसके हमले तेज होते जा रहे हैं।

समुद्र पर तेजी से कब्जा हो रहा जहरीले शैवाल का

-सैटलाइट से ली गई तस्?वीरों में दिखा भयावह नजारा

बीजिंग (एजेंसी)। दुनियाभर में फैले अथाह समुद्र पर जहरीले शैवाल का कब्जा हो रहा है। सैटेलाइट से ली गई ताजा तस्वीरों में समुद्र के ऊपर इस शैवाल के कब्जे का भयावह नजारा देखने को मिला है। यह शैवाल भारत, पाकिस्तान, ईरान, वियतनाम समेत कई देशों से जुड़े समुद्र में देखा गया। भारत में यह जहरीली हरियाली गुजरात तट से लेकर पाकिस्तान तक अरब सागर में दिखाई दे रही है।

वहीं तमिलनाडु और केरल के तट पर भी यह शैवाल देखा जा रहा है। इसके अलावा जापान सागर में भी यह शैवाल खूब फैला हुआ है। यह शैवाल अब समुद्र के 3 करोड़ 14 लाख वर्ग किलोमीटर के इलाके में फैल चुका है। इस जहरीले शैवाल को फैलाने में खुद इंसान की ही भूमिका है जो लगातार अपनी गतिविधियों से इस शैवाल को खुराक दे रहा है। चीन के वैज्ञानिकों के मुताबिक साल 2003 से अब तक इस शैवाल के फैलाव में 13।2 प्रतिशत की तेजी आई है। चीन के साउदर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने पाया कि रासायनिक खाद, सीवर के जल, वायु प्रदूषण और जीवों के खाद पानी के रास्ते समुद्र में जा रहे हैं जिससे इस शैवाल को पोषक तत्व मिल रहा है और उसका विकास हो रहा है। यही नहीं समुद्री जल के लगातार बढ़ते तापमान की वजह से शैवालों के तेजी से बढ़ने की दर पिछले दो दशक में काफी ज्यादा हो गई है। गर्म पानी की वजह से शैवालों के बढ़ने के लिए मौसम लंबा खिंच जाता है।

वैज्ञानिकों ने कहा कि इस जहरीले शैवाल की वजह से लोगों को नुकसान हो सकता है। चीनी वैज्ञानिकों ने यह भी कहा कि इससे दुनियाभर में पर्यावरण की एक बड़ी समस्या पैदा हो सकती है। पानी के अंदर शैवाल की संख्या बहुत तेजी से बढ़ती है और यह ताजे पानी में भी हो सकती है। इस शैवाल के फैलने से पानी का रंग खराब हो सकता है। यह पीला, लाल या चटक हरा हो सकता है, जैसा कि यह सैटेलाइट से ली गई ताजा तस्वीरों में साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पानी के अंदर फास्फेट और अन्य उर्वरक काफी बड़े पैमाने पर घुल रहे हैं, इससे शैवाल और अन्य हरे पौधों को खाना मिल रहा है। इससे उनका विकास हो रहा है। प्लवक उस समय नुकसानदायक होते हैं, जब वे पानी के अंदर ऑक्सीजन को खत्म कर देते हैं, इससे मछलियों को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। कुछ शैवाल के अंदर से बायोटॉक्सिन पैदा होता है जो वन्यजीवों पर गंभीर असर डाल सकती है।

पीटीआई कार्यकर्ता की मौत के लिए पंजाब प्रांत की पुलिस जिम्मेदार : इमरान

- वीडियो में कार्यकर्ता पुलिस वैन में जिंदा दिख रहा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पुलिस पर अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के एक कार्यकर्ता की हत्या का आरोप लगाया है। पूर्व पीएम खान ने इससे संबंधित वीडियो भी शेयर किया है। वीडियो में पीटीआई कार्यकर्ता अली बिलाल गिरफ्तारी के बाद पुलिस की वैन में जीवित नजर आया। लेकिन पुलिस ने बाद में जानकारी दी कि अली बिलाल का निधन हो गया है। इमरान ने पुलिस वैन में बिलाल के होने का वीडियो जारी कर पुलिस पर उसकी हत्या का आरोप लगाया है।

इमरान ने ट्वीट कर कहा कि बिलाल की मौत की जिम्मेदार पंजाब प्रांत की पुलिस है। इमरान ने कहा कि वीडियो से साफ होता है कि अली बिलाल, जिसे प्यार से ज़लि शाह भी कहा जाता है, पुलिस स्टेशन ले जाने के समय जिंदा था। पुलिस ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के दौरान दो पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी), एक स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) और आठ कांस्टेबल घायल हो गए। पीटीआई ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत के मौके पर जमान पार्क से दाता दरबार तक एक रैली की घोषणा की थी। शुरुआत में कहा गया था कि इमरान रैली की अगुआई करने वाले हैं। हालांकि, जिला प्रशासन ने सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। पीटीआई कार्यकर्ताओं को मॉल रोड की ओर बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस के जमान पार्क इलाके में जाने के बाद हिंसा शुरू हो गई, जहां पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान का आवास स्थित है।

जापान में बच्चों की जन्म से ज्यादा हो रही मौतें

- सरकार को जनसंख्या बढ़ाने की चिंता

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में गिरते जनसंख्या दर सरकार के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 2022 में जापान में कुल 7 लाख 99 हजार 728 शिशुओं ने जन्म लिया, जबकि इस दौरान मृत्यु दर 15 लाख 80 हजार से अधिक रही जो कि चौंकाने वाला आकंड़ा है। मालूम हो कि ये पहली बार है जब जापान में 8 लाख से कम बच्चों ने जन्म लिया और मृत्यु इससे दोगुनी रही। लगातार जनसंख्या में गिरावट को रोकने की जापान सरकार की कोशिश कामयाब होते नहीं दिख रही है। 2022 के आंकड़ों ने जापान के नीति निर्माताओं की चिंता बढ़ा दी है।

जापान सरकार ने पिछले वर्ष का जन्म-मृत्यु दर का लेखा-जोखा जारी कर इसमें भारी अंतर पर अपनी चिंता जाहिर की है। मंत्रालय के अनुसार पिछले 40 वर्षों में ये पहली बार है कि देश में जन्मदर घटकर आधी हो गयी है, जबकि साल 1982 में देश में 15 से अधिक बच्चों ने जन्म लिया था। वहीं, मंत्रालय ने आगे बताया कि अगर द्वितीय विश्व युद्ध की बात हटा दें तो देश में कभी भी इतनी मृत्यु नहीं हुई थी। पिछले साल मृत्यु दर 15 लाख 80 हजार रहा जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। ये फासला बढ़ते ही जा रहा है। देश में प्रति महिला शिशु जन्म दर घटकर 1.3 रह गई है, जबकि स्थायी जनसंख्या के लिए ये कम से काम 2.1 होनी चाहिए। जापान की वर्तमान आबादी मात्र 12 करोड़ 55 लाख रह गई है।

मालूम हो कि भारत और चीन जैसे देश जहां अपनी जनसंख्या घटाने की कोशिश कर रहे हैं, तो फिर जापान को अपने घटती जनसंख्या को लेकर चिंता क्यों सत्ता रही है। दरअसल, जापान इस ट्रेंड के साथ बुड्ढों का देश बनते चले जा रहा है। पान में ऐसे लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जो काम करने की उम्र पार कर चुके हैं, इसलिए वे पेंशन और सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं पर आश्रित हैं, जिसका बोझ जापान की अर्थव्यवस्था पड़ रहा है।

10 साल की ये बच्ची होगी किम जोंग उन की उत्तराधिकारी, खुफिया एजेंसी ने किया बड़ा खुलासा

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के बारे में ऐसी कई बातें हैं जो कोई नहीं जानता। खासकर किम जोंग उन की निजी जिंदगी के बारे में कोई नहीं जानता। हालांकि हाल के कुछ सालों में किम जोंग उन ने पूरी दुनिया को अपनी बेटी से मिलवाया. जिसके बाद से कयास तेज हैं कि ये उत्तर कोरिया के अगले तानाशाह हो सकती हैं। दूसरी ओर, किम जोंग उन की बेटी किम जू एई को लेकर दक्षिण कोरिया की ज्वैलरी कंपनी ने खुलासा किया है। एजेंसी (नॉर्थ कोरियन डिक्टेटर) ने दावा किया कि किम जो ऐ का नाम शिक्षा के लिए किसी भी स्कूल में आधिकारिक तौर पर नामांकित नहीं था। उन्होंने प्योंगयांग में होमस्कूल से शिक्षा ली है।

जानकारों ने कहा, 'उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के तीन बच्चे हैं. उनकी दो बेटियां और एक बेटा है। इससे पहले 2013 में रिटायर्ड स्टार डेनिस रोडमैन ने कहा था कि किम-जोंग-उन की एक बेटी है जिसका नाम जो ऐ है। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, दक्षिण कोरियाई ज्वैलरी कंपनी का दावा है कि किम जो एई की उम्र करीब 10 साल है। साथ ही किम जोंग उन ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी नहीं चुना था। लेकिन वह लोगों को यह दिखाने के लिए अपनी बेटी की उपस्थिति का उपयोग कर रहे हैं कि भविष्य में उनकी संतानों में से एक उनकी उत्तराधिकारी होगी।

उत्तर कोरियाई तानाशाह ने कहा कि किम जोंग उन काफी युवा और स्वस्थ हैं। ऐसे में उनके पास अपना उत्तराधिकारी नियुक्त करने के लिए काफी समय है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने यह भी खुलासा किया कि किम जो ऐ ने कभी भी सार्वजनिक शिक्षा सुविधा में दाखिला नहीं लिया। उन्होंने प्योंगयांग में होमस्कूल किया है। इसके अलावा किम की बेटी के शौक घुड़सवारी, स्कीइंग और स्विमिंग हैं। इससे पहले पिछले महीने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन अपनी बेटी किम जू एई के साथ देश के 75वें स्थापना दिवस पर सेना से मिलने पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने परमाणु हथियारों में सक्षम होने के लिए सेना की तारीफ की। किम की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब उत्तर कोरिया राजधानी प्योंगयांग में एक प्रमुख सैन्य परेड की तैयारी कर रहा है। परेड का उद्देश्य बढ़ते परमाणु हथियार कार्यक्रम के नवीनतम उपकरणों का प्रदर्शन करना है। किम जोंग उन की बेटी को सार्वजनिक रूप से देखे जाने के बाद उसे अपने पिता की उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है।

संपादकीय

बुरे न बनें हम कभी

अर्थशास्त्र का साधारण नियम है की जितनी अपनी क्षमता हो उतने में ही काम करो। जो लोग इस नियम के आधार पर अपना काम करते हैं उनके काम सुचारू रूप से होते हैं और जो बिना सोचे समझे विचारे काम करते हैं उनका काम बिगड़ जाता है इसीलिए चादर देखकर पैर फैलाने में ही बुद्धिमानी है । जो लोग अपनी सीमा के अंदर रहते हैं उन्हें कभी तकलीफ उठानी नहीं पड़ती है ।मन की कोमलता और व्यवहार में विनम्रता से वह कार्य भी बन जाते हैं जो कठोरता से नहीं बन पाते हैं। किसी ने सच ही कहा है कि डरा -धमकाकर, अहसान जताकर किसी को जीते तो क्या जीते ? किसी को जीतना है तो ह्रदय की नम्रता से जीतो।जब भी किसी को सहायता की जरूरत हो तो मदद जरूर करनी चाहिए । सबसे अच्छी सहायता वह होगी जहां वे खुद जीवन में आगे बढ़ने और अपना ख्याल रखने के काबिल बन सके।

क्षमा वीरों का आभूषण है ।क्षमा मांगने से मन में शांति रहती हे। क्षमा करने से बड़प्पन दिखता है। क्षमा लेना व देना नफरत और क्रोध का निदान है क्रोध सदैव ही सभी के लिए अहितकारी होता है और क्षमा सदा सर्वत्र सभी के लिए हितकारी होता है।अत: हम अपना व्यवहार सदा सरल, मधुर रखें ।हम अच्छे के साथ तो अच्छे बनें ही पर बुरे के साथ भी कभी बुरे नहीं बल्कि रहें अच्छे ही। हरदम एक बात याद रखें की किसी ने अगर हमारा बुरा सोचा अथवा बुरा किया हैं तो उसने अपने व्यवहार से अपना स्तर दिखा दिया।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ निभा रहा है अहम भूमिका

(लेखिका- प्रहलाद सबनानी)

भारत में पिछले 97 वर्षों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश के नागरिकों में देशप्रेम की भावना का संचार करने का लगातार प्रयास कर रहा है। वर्ष 1925 (27 सितम्बर) में विजयदशमी के दिन संघ के कार्य की शुरुआत ही इस कल्पना के साथ हुई थी कि देश के नागरिक स्वाभिमानी, संस्कारित, चरित्रवान, शक्तिसंपन्न, विशुद्ध देशभक्ति से ओत-प्रोत और व्यक्तिगत अहंकार से मुक्त होने चाहिए। आज संघ, एक विराट रूप धारण करते हुए, विश्व में सबसे बड़ा स्वयं सेवी संगठन बन गया है। संघ के शून्य से इस स्तर तक पहुंचने के पीछे इसके द्वारा अपनाई गई विशेषताएं यथा परिवार परंपरा, कर्तव्य पालन, त्याग, सभी के कल्याण विकास की कामना व सामूहिक पहचान आदि विशेष रूप से जिम्मेदार हैं। संघ के स्वयंसेवकों के स्वभाव में परिवार के हित में अपने हित का सहज त्याग तथा परिवार के लिये अधिकाधिक देने का स्वभाव व परस्पर आत्मीयता और आपस में विश्वास की भावना आदि मुख्य आधार रहता है। 卐वसुधैव कुटुंबकम卐 की मूल भावना के साथ ही संघ के स्वयंसेवक अपने काम में आगे बढ़ते हैं। वैश्विक स्तर पर कई देशों में तो संघ की कार्य पद्धति पर कई शोध कार्य किए जा रहे हैं कि किस प्रकार यह संगठन अपने 97 वर्षों के लम्बे कार्यकाल में फलता फूलता रहा है एवं किस प्रकार यह समाज के समस्त वर्गों को अपने साथ लेते हुए अपने कई कार्यकर्मों को लागू करने में सफलता अर्जित करता आया है। आज जब कई देशों में अलगाववाद के बीज बोकर भाई को भाई से लड़ाया जा रहा है ऐसे माहौल में संघ भारत के नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना विकसित कर उनमें सामाजिक समरसता के भाव को जगाने में सफल रहा है। मुट्ठीभर विदेशी आक्रांताओं ने भारत पर कई सैकड़ों वर्षों तक राज किया क्योंकि हम सब एक नहीं थे। इसलिए संघ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ही देश के लिए समाज को एकजुट करना था, है और रहेगा, जिसे पूर्ण करने हेतु ही परम पूजनीय डॉक्टर हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी और आपने एकश: संपत का मंत्र दिया था कि उच्च जाति के हो या निम्न जाति के, पहले अपना अहंकार छोड़कर और दूसरे अपनी लाचारी या हीनता छोड़कर तथा अमीर हो या गरीब, विद्वान हो या अज्ञानी सब एक पंक्ति में खड़े हों, यही संघ का मुख्य उद्देश्य भी है। समाज और राष्ट्र को प्रथम मानने वाले संघ में व्यक्ति गौण होता है। संघ ने कभी अपना प्रचार नहीं किया और संघ के प्रचारकों या स्वयंसेवकों ने जो दायित्व प्राप्त किए वे भी प्रचार से दूर रहे, संघ का और स्वयंसेवकों का कार्य उनकी लग्न और त्याग देश के सामने है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस लम्बी यात्रा में वैश्विक स्वीकार्यता प्राप्त कर चुका है। व्यक्ति निर्माण, त्याग और राष्ट्रभक्ति के संस्कार से ओतप्रोत संघकार्य आज दुनिया के सम्मुख है। आपदा में अद्वितीय सेवाकार्य और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता के संघ के गुणों को विरोधी भी स्वीकारते हैं। संघ की योजना प्रत्येक गांव में, प्रत्येक गली में अच्छे स्वयंसेवक खड़े करने की है। अच्छे स्वयंसेवक का मतलब है जिसका अपना चरित्र विश्वासप्रद है, शुद्ध है। जो सम्पूर्ण समाज को, देश को अपना मानकर काम करता है। किसी को भेदभाव से शत्रुता के भाव से नहीं देखता और इसके कारण जिसने समाज का स्नेह और विश्वास अर्जित किया है। संघ सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से आगे बढ़ रहा है। संघ की कार्यपद्धति में पंथ - उप पंथ, जातीय मतभेद आदि बातें उपस्थित हो ही नहीं सकती क्योंकि संघ सम्पूर्ण हिन्दू समाज में एकता लाने की दृष्टि से कार्य करता है। संघ में छुआ छूत की भावना तो कभी की समाप्त हो चुकी है क्योंकि संघ में सभी जातियों के लोग एक झंडे के नीचे काम करते हैं। हाल ही के समय में देश भर में संघ का कार्य बहुत तेजी से फैला है। दैनिक शाखाओं में 61 प्रतिशत शाखाएं छात्रों की हैं और 39 प्रतिशत व्यवसायी शाखाएं हैं। संघ की दृष्टि से देशभर में 6506 खंड हैं, इनमें से 84 प्रतिशत से अधिक खंडों में शाखाएं हैं। 59,000 मंडलों में से लगभग 41 प्रतिशत से अधिक मंडलों में संघ का प्रत्यक्ष शाखा के रूप में कार्य है। 2303 नगरीय क्षेत्रों में से 94 प्रतिशत नगरों में शाखा का कार्य चल रहा है एवं आने वाले दो वर्षों में सभी मंडलों में संघ की शाखा हो, ऐसा प्रयास किया जा रहा है। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ कार्य एक लाख स्थानों तक ले जाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। 2017 से 2022 तक संघ की वेबसाइट में 'जोइन आरएसएस' के माध्यम से 20 से 35 आयु वर्ग के लगभग 1 लाख से 1.25 लाख युवाओं ने प्रतिवर्ष संघ से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की है। कोरोना महामारी के दौरान संघ के स्वयंसेवकों ने समाज के साथ मिलकर सक्रियता के साथ सेवा कार्य किया था। लगभग 5.50 लाख स्वयंसेवकों ने महामारी के पहले दिन से ही सेवा कार्य प्रारम्भ कर दिया था तथा पूरे समय समाज के साथ सक्रिय सहयोग किया।। विश्व में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां बहुत बड़ी संख्या में मठ, मंदिर, गुरुद्वारों से बहुत बड़ा वर्ग सेवा कार्य के लिए निकला। यह एक जागरूक राष्ट्र के लक्षण हैं। साथ ही संघ द्वारा धर्म जागरण, कृषि विकास, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, गौसंवर्धन एवं ग्रामीण विकास का कार्य बहुत अच्छी मात्रा में एवं अच्छी गति के साथ चलाया जा रहा है। संघ द्वारा हाल ही के समय में सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर देश के हित में कुछ नवोन्मेष कार्य करने का प्रयास भी किया गया है। देश में बेरोजगारी कम करने एवं देश के नागरिकों को स्वावलंबी बनाए जाने के पवित्र उद्देश्य से स्वावलम्बन कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बेरोजगार युवाओं को अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिए प्रेरणा प्रदान करने के साथ ही इस सम्बंध में आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है। कुछ राज्यों के स्थानीय इलाकों में तो एक वृहद सर्वे के माध्यम से यह पता लगाने का प्रयास भी किया गया कि इन स्थानीय इलाकों में किस प्रकार के रोजगार की आवश्यकता है एवं किस प्रकार के कुटीर एवं लघु उद्योग इन इलाकों में प्रारम्भ किये जा सकते हैं ताकि इन इलाकों में इन बेरोजगार युवाओं द्वारा इन उद्योगों को प्रारम्भ कर अन्य युवाओं के लिए भी रोजगार के नए अवसर निर्मित किए जा सकें। साथ ही, स्थानीय उद्योगों से भी आग्रह किया गया कि वे स्थानीय लोगों को ही रोजगार प्रदान करने के प्रयास करें ताकि इन इलाकों से युवाओं के पलायन को रोका जा सके। स्वावलम्बन योजना के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर ही युवाओं में कौशल विकसित करने हेतु भी प्रयास किए जा रहा हैं। इसी प्रकार ग्राम विकास और कृषि क्षेत्र में विशेष दृष्टि रखते हुए संघ ने भूमि सुपोषण अभियान की शुरूआत भी की है। इस अभियान के अंतर्गत कृषि योग्य भूमि की उर्वरा शक्ति में आई कमी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि संघ ने इस अभियान को आगे बढ़ाने हेतु, इस क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठनों एवं संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करने का निर्णय लिया है। परंतु, पूरे देश में फैले संघ के स्वयंसेवकों के नेटवर्क का संगठित उपयोग कर इस अभियान को बहुत सफल बनाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान को एक सामाजिक अभियान के रूप में भारत के सभी ग्रामों में चलाया जा रहा है। साथ ही, भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से संघ ने बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को ही प्रारम्भ कर दिया है, जिसके अंतर्गत देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। संघ पूर्व में भी लगातार यह प्रयास करता रहा है कि देश को विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने हेतु देश में ही निर्मित वस्तुओं के उपभोग को बढ़ावा मिले एवं स्वदेशी को प्रोत्साहन मिले। साथ ही, देश में आर्थिक विकेंद्रीयकरण होना चाहिए ताकि ग्रामीण स्तर पर कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना को बल मिले एवं स्थानीय स्तर पर उत्पादों का न केवल निर्माण हो बल्कि इन उत्पादों की खपत भी स्थानीय स्तर पर होती रहे। उद्यमिता को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भी प्रयास किए जा रहे हैं ताकि देश का युवा नौकरी करने वाला नहीं बल्कि रोजगार उत्पन्न करने वाला बने। यूं तो संघ में अलग अलग प्रकार की कई बैठकें होती हैं परंतु इनमें सबसे बड़ी एवं निर्णय की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण बैठक प्रतिनिधि सभा के रूप में होती है। इस वर्ष यह बैठक 12 मार्च से 14 मार्च 2023 के बीच हरियाणा के समालखा (जिला पानीपत) में होने जा रही है। इस बैठक में संघ कार्य की समीक्षा एवं आगामी वर्ष 2023-24 के लिए संघ की कार्य योजना पर चर्चा होगी। इसके साथ ही कार्यकर्ता निर्माण व प्रशिक्षण, संघ शिक्षा वर्गों की योजना, शताब्दी विस्तार योजना एवं कार्य के दृढ़ीकरण और देश की वर्तमान स्थिति पर विचार एवं महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव भी पारित होंगे। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बैठक में परम पूजनीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, माननीय सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह, अखिल भारतीय कार्यकारिणी, क्षेत्र व प्रांत कार्यकारिणी, संघ के निर्वाचित अखिल भारतीय प्रतिनिधि, सभी विभाग प्रचारक तथा विविध संगठनों के निमंत्रित कार्यकर्ता भाग लेंगे। देश भर से लगभग 1400 कार्यकर्ता इस बैठक में भाग लेने के लिए अपेक्षित हैं।

आज का राशीफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

लोकतंत्र के मंदिर की गरिमा को ठेस पहुंचाया जाना बंद हो

(लेखक-डॉ राघवेंद्र शर्मा)

विधानसभा से लेकर लोकसभा तक और इनके अलावा ऊपरी सदन राज्यसभा में भी, ऐसे नेताओं को देखने और सुनने का अवसर मिला जो एक प्रकार से मां सरस्वती के मानस पुत्र हुआ करते थे। इन सदनों को ऐसे ऐसे नेताओं ने संबोधित किया जिन्हें सुनने के लिए विरोधी दल के नेता भी लालायित रहते थे। यह उनकी वाकपटुता ही थी कि जब वे लोग बोलते थे तो सदन में एक प्रकार से पिन ड्रॉप साइलेंट की स्थिति बन जाती थी। सीधी सी बात है । ऐसे लोग जो अब राजनैतिक क्षेत्र में तेजी से कम होते जा रहे हैं, बोलने से पहले संबंधित विषय का बारीकी से अध्ययन करते रहे हैं। अध्ययन में कमी रह जाने पर और आवश्यकता पड़ने पर इनके द्वारा उपरोक्त विषय वस्तु के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लिया जाता रहा है। यही वजह है कि ऐसे ज्ञानवान नेता जब जब बोले, भले ही विरोध में बोले, उन्हें विरोधियों की ओर से भी सम्मान प्राप्त होता रहा है। सवाल उठता है कि आज जब सत्ता पक्ष अथवा विपक्ष का कोई भी नेता किसी भी सदन में बोलने की चेष्टा करता है तो राजनैतिक प्रतिद्वंदी अधिकांश को सुनना ही नहीं चाहते। बोलने से पहले ही टोका टाकी शुरू हो जाती है। सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाते हुए ऐसी ऐसी हरकतें की जाती हैं, जिन्हें देखकर आम आदमी शर्मिंदा होता है और यह सोचने के लिए विवश हो जाता है कि इन्हें चुनकर मैंने यह क्या पाप कर डाला? राजनेताओं और जनप्रतिनिधियों का यह आभामंडल इतनी तेजी से स्वयं की गरिमा को भी खो रहा है, जिसका आकलन यह वह स्वयं लगाने को तैयार नहीं हैं। बस हर कोई येन केन प्रकारेण चर्चाओं में बने रहना चाहता है। क्योंकि लगातार विद्रूप हो रही राजनीति में अनेक नेता यह मान बैठे हैं कि बड़ा बनने के लिए सदैव ही कुछ ना कुछ बोलते रहना आवश्यक है। उदाहरण के लिए हम ऐसे अनेक नेताओं के बयान याद कर सकते हैं, जिन्होंने अपने विरोधियों अथवा विरोधी दलों के खिलाफ ऐसी ऐसी आधारहीन बातें कहीं जिनका उनकी स्वयं की पार्टियों ने भी समर्थन नहीं किया। यह उनका व्यक्तिगत विचार होगा, यह कहकर संबंधित राजनैतिक दलों द्वारा अपने ही नेता से किनारा कर लिया गया। फिर भी इन बड़बोले नेताओं पर जैसे कोई प्रभाव ही नहीं पड़ता। यह मोटी चमड़ी के गैर संवेदनशील लोग लगातार विवादित बयान देते चले जा रहे हैं । क्योंकि इनके खिलाफ दलीय स्तर पर भी निर्णायक कार्यवाहियों का अभाव रहा है। जिसके चलते गैर जिम्मेदार नेताओं अथवा जनप्रतिनिधियों की यह धारणा मजबूत हुई है कि वह जो कुछ भी कर रहे हैं वह सही है। शायद यही वजह रही की अब कुछ निरंकुश, वाचाल प्रवृत्ति के नेताओं ने जनसभाओं और विधानसभाओं में भेद करना भी बंद कर दिया है। जिस प्रकार जनसभा में एक अवसरवादी नेता द्वारा अपने विरोधियों के खिलाफ कुछ भी कह दिया जाता है। गंभीरतम आरोप दिए जाते हैं और फिर उनके खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं होती, तो फिर ऐसे लोगों की हिम्मत बढ़ती है। फलस्वरूप वे यही आचरण लोकतंत्र के मंदिरों में अपना लेते हैं । बीते रोज मध्यप्रदेश की विधानसभा में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। वहां विधानसभा के एक माननीय सदस्य ने निहायती गैर जिम्मेदाराना व्यवहार करते हुए सत्ता पक्ष पर कुछ ऐसे आरोप लगा दिए, जिनका ना कोई सिर था और ना पांव। हद तो तब हो गई जब संसदीय कार्य मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा लिखित आरोप मांगे जाने पर उक्त नेता कुछ ऐसे तथ्य प्रस्तुत कर बैठे जो उन्हीं की बात को झूठ साबित कर गए। इसी सत्तापक्ष का बड़प्पन ही कहा जाएगा कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उपरोक्त विधानसभा सदस्य को माफी मांग कर बात खत्म करने का विकल्प दिया गया। झूठ पर हठपूर्वक अड़े हुए माननीय ने माफी मांगने की बजाय स्वयं के निलंबन का रास्ता चुना। संभवत उन्हें ऐसा लगता होगा कि उनके निलंबन हो जाने से अखबार की सुर्खियों में उन्हें स्थान मिल जाएगा और भी बदनाम ही सही, नामवर होकर बड़े नेता के रूप में स्थापित हो पाएंगे। नतीजा यह है कि उन्हें निलंबित किया जा चुका है और चारों को प्रबुद्ध वर्ग द्वारा उनके इस कृत्य की तीखी आलोचना हो रही है। लिखने का आशय यह है कि विधानसभा हो या लोकसभा अथवा राज्यसभा, यहां जनप्रतिनिधियों को बोलने के लिए ही चुनकर भेजा जाता है। लेकिन यह बात भी अपनी जगह सत्य है कि बोलने के लिए पठन-पाठन और अध्ययन की अति आवश्यकता होती है। यदि सदन में माननीय गण बोलने से पहले संबंधित विषय वस्तु का अध्ययन कर लिया करें तो उनका अपना सम्मान तो बचेगा ही सदन की गरिमा भी अक्षुण्ण रह पाएगी।

(लेखक- डॉ राघवेंद्र शर्मा वरिष्ठ पत्रकार है।)

विचार मंथन

फेक न्यूज़ सोशल मीडिया पर वायरल करना गंभीर अपराध

(लेखक - सनत जैन)

तमिलनाडु में बिहारी मजदूरों के पलायन, दो मजदूरों की तमिलनाडु में हत्या, विधानसभा में बिहारी मजदूरों की हत्या और हमले को लेकर विपक्ष का वाकआउट करना, बिहार और तमिलनाडु सरकार के बीच में विवाद पैदा करने की कोशिश, इसके साथ ही फेक न्यूज़ के माध्यम से हजारों लाखों लोगों को उद्वेलित कर कानून व्यवस्था की स्थिति को खराब करने का जो मामला सामने आया है, उसके बाद केंद्र एवं राज्य सरकारों को इस तरह की फेक न्यूज़ को रोकने के लिए तुरंत कड़े कानून बनाए जाने की जरूरत है। सोशल मीडिया में जब इस तरह से फेक न्यूज़ को फैलाई जाती है, उससे दंगे भड़कते हैं। सैकड़ों हजारों लाखों लोग इससे प्रभावित होते हैं। इसके बाद भी सरकारों द्वारा इस संबंध में कोई कड़ाई नहीं किए जाने से यह घटनाएं बार-बार हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट भी इस संबंध में कई बार अपनी चिंता जता चुका है। ले किन अभी तक केन्द्र सरकार ने कोई कानून तैयार नहीं किया। फेक न्यूज से निपटने के लिये केन्द्र सरकार ने जो प्रस्ताव तैयार किया है, उसमें सूचना प्रसारण जैसी संस्था को फेक न्यूज की जिम्मेदारी एजेन्सी बनाने का प्रस्ताव सरकार के इरादों को उजागर करता है। फेक न्यूज को सोशल मी डिया में काट-छांटकर जो तथ्य प्रसा रित किये जात हैं, उसके लिये राष्ट्रीय सुरक्षा कानून जैसे कड़े प्रावधान लागू करने की आवश्यकता है अन्यथा इस पर रोक लगा पाना संभव नहीं होगा। तमिलनाडु में जिन बिहारी मजदूरों की हत्या की बात को लेकर बिहारी मजदूरों के पलायन की बात कही गई थी। उसका सच सामने आया तो हर कोई हैरत में पड़ गया। तिरुपुर की एक कॉलोनी तिरुमलाई में एक 10 कमरों की चाल बनी हुई थी। इसी चाल के एक कमरे में रामानी इपैक्स में टेलर का काम करने वाला पवन अपने छोटे भाई नीरज के साथ रहता था। उसके बगल वाले कमरे में झारखंड का रहने वाला उपेंद्र धारी रहता था। जो ड्राइवर का काम करता था। पड़ोसी और चश्मदीद गवाहों के बयान के आधार पर तमिलनाडु पुलिस में जो मामला दर्ज है, उसमें पवन की हत्या उसके पड़ोसी उपेंद्र धारी ने आपसी विवाद में की थी। हत्या करने के बाद वह ट्रेन से झारखंड के लिए भाग रहा था। तमिलनाडु पुलिस ने संज्ञान लिया, मोबाइल से उसकी लोकेशन चेन्नई में मिली चेन्नई से धनबाद की ओर जा रहा था पुलिस ने जीआरपी धनबाद से संपर्क कर उपेंद्र के मोबाइल नंबर और फोटो भेजे। ट्रेन के जनरल डब्बे में उपेंद्र मिला, जहां उसे गिरफ्तार किया गया। ऐसा ही दूसरा मामला फांसी पर लटके पाए गए सिकंदरा बाजार के मोनू यादव का था। उसके भाई तुलसी कुमार को स्थानीय लोगों ने बताया था कि दरवाजा अंदर से बंद था, उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। उसका भाई तुलसी विहार से पहुंचा था। उसने इस मामले में गलत जानकारी देकर भाई की हत्या और बिहारियों के पलायन करने से जोड़ दिया। उसके बाद इसका राजनीतिक फायदे के लिए एक पुराने वीडियो को जोड़कर झूठी खबर को सोशल मीडिया के जरिए बड़ी तेजी के साथ फैलाया गया। इसको लेकर पटना और तमिलनाडु दोनों ही जगह पर कानून व्यवस्था की बिगाड़ने का प्रयास किया गया। सारे देश में बिहा रियों के उत्पीड़न को लेकर नई तरीके का नैरेटिव बनाने की कोशिश की गई। सही मायने में सोशल मीडिया पर फेक न्यूज़ के माध्यम से सनसनी फैलाकर दंगा और कानून-व्यवस्था की स्थिति संघीय ढांचे को नष्ट करने जैसे हालात पैदा करना घोर अपराध माना जाना चाहिए। इस अपराध के लिए तुरंत कठोर कार्रवाई करना चाहिए। जो लोग इस तरह से फेक न्यूज़ चलाते हैं, उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा मान कर उनको कड़े से कड़े दंड दिए जाने की आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों से सोशल मीडिया में जिस तरीके की फेक न्यूज़ चलाई जा रही हैं, उसका इस्तेमाल राजनीतिक और व्यापारिक हितों के लिए हो रहा है। ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है। फेक न्यूज़ फैलाने वालों के लिए कड़े कानून बनाने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो यह लोग शांति व्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा बन जाएंगे। बिना किसी भेदभाव के कड़ी कार्यवाही होने से इन घटनाओं से बचा जा सकता है।

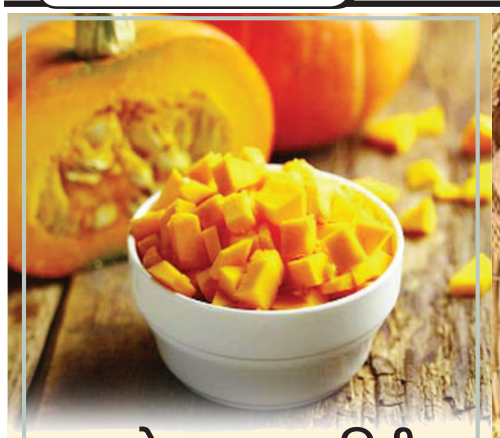

ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है कद्दू

कद्दू एक ऐसी सब्जी के जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर खाने में मुंह बनाता है। मगर एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह गुणों से भरपूर होती है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से लेकर वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके साथ ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए यह वरदानस्वरूप है। चलिए जानते हैं इसे खाने के बेहतरीन गुणों के बारे में

डायबिटीज में फायदेमंद

एक्सपर्ट्स के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए कद्दू बेहद फायदेमंद मानी गई है। इसका सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हाई बीपी रखे कंट्रोल

कद्दू में पोटैशियम भरपूर होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर माना जाता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

इम्यूनिटी करे स्ट्रांग

कद्दू में विटामिन-ए, सी, ई आदि गुण होते हैं। इसके सेवन से तेजी से इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में शरीर को बीमारियों से लड़ने की अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही सर्दी, जुकाम, मौसमी व अन्य बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

कब्ज से दिलाए राहत

गलत खानपान के चलते बहुत से लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए कद्दू का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके बीजों में फाइबर होने से पाचन शक्ति तेज होती है। ऐसे में कब्ज व पेट संबंधी अन्य समस्याओं से बचाव रहता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें बीटा कैरोटीन होता है। ऐसे में यह आंखों के लिए स्वस्थ माना जाता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याएं होने से बचाव रहता है।

हड्डियों होगी मजबूत

कद्दू में कैल्शियम उचित मात्रा में होता है। ऐसे में इसका सेवन करने हड्डियां मजबूत होती है। इसके साथ ही ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम रहता है। इसलिए बच्चे से लेकर बड़ों तक हर उम्र के लोगों को इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

वजन घटाए

इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। ऐसे में मोटापे से परेशान लोगों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

हीमोग्लोबिन को मेंटेन करने में मदद करती हैं ये चीजें

हीमोग्लोबिन शरीर के सभी अंगों को ऑक्सीजन देता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसे नट्स के बारे में जो आयरन की कमी को पूरा करेंगे और आपके हीमोग्लोबिन को तुरंत बढ़ाएंगे।

शरीर को फिट रखने में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स खाना बेहद जरूरी है। यदि किसी भी पोषक तत्व की कमी हो जाती है, तो यह शरीर के लिए परेशानी का कारण बनने लगता है। अक्सर लोगों में हीमोग्लोबिन ऐसे में आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए महत्तवपूर्ण है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है।

काजू

अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो आप काजू खा सकते हैं। ये आपकी भूख को कम करता है साथ ही शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। एक मुट्ठी काजू में 189 मिली ग्राम आयरन होता है। ऐसे में जंक फूड खाने से अच्छा है कि आप स्नैक्स में एक मुट्ठी काजू का सेवन करें।

पिस्ता

पिस्ता स्वाद से भरपूर है और स्नैक्स के लिए सबसे अच्छा है। अगर आपको आयरन की कमी है तो एक मुट्ठी पिस्ता खाएं। एक मुट्ठी पिस्ता में 1.11 मिली ग्राम आयरन होता है।

बादाम

भिगे बादाम खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। अगर आप एक मुट्ठी बादाम का सेवन करते हैं तो आपको 1.05 मिली ग्राम मिलता है। कई लोग बादाम का दूध और बादाम के बटर का सेवन करते हैं। ऐसे आपको रोजाना बादाम का सेवन करना चाहिए।

अखरोट

अखरोट में सबसे ज्यादा पोषक तत्व होते हैं। ये आपके दिमाग को शार्प करने में मदद करता है। साथ ही कम हीमोग्लोबिन वाले लोगों को रोजाना अखरोट का सेवन करना चाहिए। एक मुट्ठी अखरोट खाने से आपको 08 मिली ग्राम प्रोटीन मिलता है।

मुंगफली

अगर आप मेवा नहीं खा सकते है, तो आप मुंगफली का सेवन कर सकते हैं। एक मुट्ठी मुंगफली में 13 मिलीग्राम मिनीरल्स होते है।

बेजोड़ सुंदरता और स्वास्थ्य चाहिए, तो रोजाना पिएं एक गिलास नोनी फ्रूट जूस

यंग दिखने के लिए अब आपको रॅपन्जेल के बालों की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एक गिलास नोनी फ्रूट जूस आपकी मदद कर सकता है। हम जानते हैं कि यह फल आपके लिए नया है, लेकिन आयुर्वेद में भी इस अद्भुत फल का उल्लेख किया गया है। आजकल जहां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, वहां नोनी फल आपकी मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फल पोषक तत्वों से भरा हुआ है जो न केवल शरीर की कोशिकाओं के पुनर्जनन में मदद करता है, बल्कि विभिन्न वायरस द्वारा हुए नुकसान की मरम्मत में भी मदद करता है। नोनी फल विटामिन ए, विटामिन इ, विटामिन डी3 और आयरन जैसे एंटीऑक्सिडेंट का एक पावरहाउस है। यह सब न केवल आपके आंतरिक कल्याण के लिए, बल्कि बाहरी सुंदरता के लिए भी फायदेमंद हैं। नोनी फल के स्वास्थ्य लाभ

- नोनी फ्रूट जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल बनाए रखने में मदद मिलती है
- नोनी फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ-साथ जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुण होते हैं जो इसे आपकी त्वचा के लिए बहुत अच्छा बनाते हैं। नोनी फ्रूट जूस पीने से न केवल आपके रक्त को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है, बल्कि यह आपके पेट के स्वास्थ्य को भी नियंत्रित रखता है। यह सब बेहतर कोशिका संरचना और चिरस्थायी सौंदर्य की ओर ले जाता है।
- **यह जोड़ों की समस्याओं को दूर करता है**
  गठिया से जूझ रहे लोग दर्द का सही अर्थ जानते हैं। आखिरकार, वे दिन-ब-दिन इससे गुजरते हैं। इसके अलावा, इस रोग से संबंधित विकृतियां और भी अधिक समस्याग्रस्त हैं। लेकिन अगर आप अपने दैनिक आहार में नोनी फ्रूट जूस को शामिल करते हैं, तो आप इस समस्या से अच्छी तरह निपट सकते हैं, जैसा कि फूड्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है।
- **नोनी जूस आपके बालों के लिए बहुत अच्छा है**
  पसीना और नमी आपके स्कैल्प में बैक्टीरिया के विकास का कारण बन सकते हैं। यह बालों के रोम को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसकी वजह से आपको स्कैल्प में खुजली, रूसी और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन आप नोनी फ्रूट जूस का सेवन करके, इसके जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के कारण इसे कम कर सकते हैं।
- **यह थकान को कम करने के लिए जाना जाता है**
  थकान का प्रमुख कारण आयरन की कमी है, जिससे एनीमिया हो सकता है। नोनी फल आयरन का एक बड़ा स्रोत है, और इसीलिए यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए भी बहुत अच्छा है। तो, अब आप जानते हैं कि यदि आप ऊर्जा पर कम हैं तो आपको क्या चाहिए।
- **यूरिक एसिड को कम करता है**
  उच्च यूरिक एसिड बुजुर्गों में सबसे आम समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को बाधित करती है, बल्कि यह पूरी तरह से दर्दनाक भी है। अगर आपके घर में कोई ऐसा ही है, तो बिना समय बर्बाद किए उनकी डाइट में एक गिलास नोनी जूस शामिल करें और बदलाव देखें।
- **मानसून से संबंधित बीमारियों के लिए**
  मानसून बीमारियों के साथ आता है। खांसी, जुकाम, बदन दर्द, बुखार, दस्त आदि। लेकिन आप में से जो नोनी फल खा रहे हैं, उन्हें सुरक्षा मिलेगी। इसका कारण, इम्युनिटी है!

करेले में छुपे हैं ढेरों फायदे

कई ऐसी फल और सब्जियां हैं, जो हमारे लिए काफी गुणकारी हैं। ये हमें कई तरह की बीमारियों से बचाकर स्वस्थ और फिट रखती हैं। कई लोग इनके फायदों से इतने अवगत नहीं होते। अब करेले को ही लीजिए। कड़वेपन के कारण कई लोग करेला खाना पसंद नहीं करते हैं, जबकि करेले में हमारे लिए ढेरों फायदे छुपे होते हैं।

करेले के फायदों को देखते हुए सभी को करेले को प्रमुखता से अपने खानपान का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इसे सब्जी के रूप में और साथ ही जूस के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। जानते हैं करेले खाने से हमें कितने फायदे मिलते हैं।

करेला हर किसी की सेहत के लिए अच्छा होता है लेकिन लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं क्योंकि इसे खाकर लोग अक्सर कड़वा महसूस करते हैं। लेकिन करेला सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होता है इसलिए आपको इससे दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि आपको इससे दोस्ती करनी चाहिए। और हर दिन इसे अपनी डाइट में शामिल करें ताकि आपकी सेहत अच्छी रहे।

अगर आप करेले की सब्जी खाते हैं। तो ऐसे में आप जूस भी लें, इससे आपकी स्किन समस्या के साथ बालों और डायबिटीज को भी काफी फायदा मिलता है। करेले का जूस पीने से आपका चेहरा भी ग्लो करता है। साथ ही बॉडी अच्छे से डिटॉक्स हो जाती है जिससे वेट कंट्रोल होता है। करेला विटामिन सी से भरपूर होता है। ऐसे में जानें कैसे करेले के जूस का इस्तेमाल करें।

डायबिटीज में फायदे

डायबिटीज में करेला हमेशा फायदेमंद साबित होता है। इसमें इंसुलिन जैसा प्रोटीन होता है जिसे पॉलीपेप्टाइड पी कहा जाता है। इसके साथ ही ये डायबिटीज के ब्लड शुगर लेवल को कम करता है म्ये नेचुरल तरीके से आपके डायबिटीज को कम करता है, इसे खाली पेट पीएं।

लिवर के लिए फायदेमंद

करेले का जूस आपकी आंतो को साफ करता है, दरअसल जूस में मोमोर्डिका चारेंटिया नामक एक तत्व पाया जाता है। ये एक एंटीऑक्सीडेंट है जो लिवर को मजबूत करके लिवर डैमेज से सुरक्षा प्रदान करता है, ये आपके ब्लैडर के काम को भी बढ़ावा देता है।

मोटापा कम करे

करेले का जूस मोटापा कम करने में काफी मदद करता है। दरअसल करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे कैलोरी कंट्रोल में होती है और वजन नहीं बढ़ता है म्आप करेले का जूस लेंगे तो इससे आपकी डिटॉक्स होता है, इसलिए आप वेट लॉस कर रहे हैं तो ऐसे में करेले का जूस जरुर पीएं।

स्किन के लिए अच्छा

करेले के जूस में विटामिन ए और सी जैसे शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जो आपकी स्किन को अच्छा बनाता है। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार करता है। ये आपकी स्किन की और कई सारी परेशानियों का भी हल निकलता है।

हृदय के लिए

हृदय संबंधी परेशानियों में भी करेला फायदेमंद रहता है। यह हानिकारक वसा को हृदय की धमनियों में जमने नहीं देता जिससे रक्तसंचार सुचारू बना रहता है, और हार्ट अटैक की आशंका कम होती है। करेले की पत्तियों या फल को पानी में उबालकर इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कई तरह का संक्रमण ठीक हो जाता है। वजन होगा कम करेले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं। सुबह के समय करेले के रस में नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर पी जाएं तो शरीर डीटॉक्स होता है। इसके अलावा करेला हमारे शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ा देता है, जिससे पाचन सही रहता है और इन स्थितियों में वजन कम करना आसान हो जाता है।

आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है सुबह की खाली पेट चाय की चुस्की

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनके लिए चाय एक एनर्जी ड्रिंक का काम करती है या फिर जिनकी सुबह ही एक कप गर्म प्याली चाय के साथ होती है तो यह खबर आपके लिए ही है। जी हां क्या आप जानते हैं खाली पेट सुबह की चाय की गर्म चुस्की आपकी सेहत पर कितना बुरा असर डाल सकती है। आइए जानते हैं।

सुबह खाली पेट चाय पीने से पेट में अम्लीय और क्षारीय पदार्थों के असंतुलन की वजह से चयापचय प्रणाली बाधित हो सकती है। यह शरीर की नियमित चयापचय गतिविधि में हस्तक्षेप करके व्यक्ति को दिन भर परेशान रख सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, जब दूध को चाय के साथ मिलाया जाता है, तो दूध में मौजूद वजन घटाने के लिए जिम्मेदार तत्वों का असर कम हो जाता है। इसके अलावा दूध से बनी चाय पेट के एसिड को बढ़ाकर आपके पाचन तंत्र पर भी बुरा असर डाल सकती है। जो कि वजन बढ़ने का एक मुख्य कारण हो सकता है।

अल्सर की समस्या

अक्सर आपने कई लोगों को यह कहते सुना होगा कि उन्हें सुबह उठते ही एकदम स्ट्रॉन्ग और गर्मागरम चाय पीना पसंद है। पर क्या आप जानते हैं सुबह-सुबह खाली पेट गर्म चाय पीने से पेट की अंदरूनी हिस्से पर चोट लग सकती है, जो आगे चलकर पेट के अल्सर का कारण भी बन सकता है।

मोटापे की समस्या

खाली पेट चाय पीने से उसमें घुली हुई चीनी शरीर में प्रवेश करती है, जिससे व्यक्ति का वजन बढ़ने के साथ मोटापा भी बढ़ता है।

हड्डियों के लिए बुरी है चाय

खाली पेट लंबे समय तक रोज कई कप चाय के पीने से स्केलेटल फ्लोरोसिस जैसी बीमारी हो सकती है यह बीमारी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना देती है। जिसकी वजह से कई गंभीर बीमारी भी हो सकती है।

थकान और चिड़चिड़ापन

ऐसा कहा जाता है कि चाय पीने से ताजगी आती है। हालांकि सच तो ये है कि सुबह दूध वाली चाय पीने से काम में थकान और चिड़चिड़ापन हो सकता है।

पाचन क्रिया पर बुरा असर

सुबह उठते ही कई लोग खाली पेट चाय पीने लगते हैं। जिसकी वजह से उनके पेट में गैस बनने के साथ उनकी पाचन क्रिया भी धीमी हो जाती है। खाली पेट चाय पीने से पित्त की प्रक्रिया में भी बाधा आती है। जिसकी वजह से मिचली और बेचैनी महसूस हो सकती है।

तनाव बढ़ने का है कारण

सुबह उठते ही फ्रेश और ऊर्जावान बने रहने के लिए लोग एक कप चाय पीना पसंद करते हैं। नतीजतन, ऐसे व्यक्तियों के शरीर में कैफीन की मात्रा काफी बढ़ जाती है और उन्हें नींद न आने के साथ तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं घेर सकती हैं।

हृदय रोग का खतरा

खाली पेट चाय पीने से इसमें मौजूद कैफीन तेजी से शरीर में घुलने लगता है। जो व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को प्रभावित करके दिल की सेहत पर भी बुरा असर डालता है।

इस तरह से पिएं चाय

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो हमेशा न ही ज्यादा गर्म और न ही अधिक ठंडी चाय पीएं। सुबह उठते ही चाय पीने की आदत है तो खाली पेट चाय पीने की जगह उसके साथ बिस्किट या स्नैक्स जरूर लें।

सोने, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। दस ग्राम सोना नीचे आकर 55,025 रुपये का हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमतें भी घट गयी हैं। अब ये 61,955 रुपये में बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 80 रुपये टूटकर 55,025 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 55,105 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी प्रकार चांदी भी 390 रुपये की गिरावट के साथ ही 61,955 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई। दिल्ली में सोने की हाजिर कीमत 80 रुपये की कमी के साथ ही 55,025 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई हैं। वहीं विदेशी बाजारों में सोना 1,815 डॉलर प्रति औंस पर बना हुआ था जबकि चांदी गिरावट के साथ ही 20.02 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई थी।

रेलिगेयर फिनवेस्ट का कारोबार फिर से शुरू करने का रास्ता साफ

मुंबई । रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) ने 400 करोड़ रुपए का पूरा एवं अंतिम भुगतान करके 16 ऋणदाताओं के साथ एकमुश्त निपटान (ओटीएस) की प्रक्रिया पूरी कर ली है। ऋणदाताओं के साथ 30 दिसंबर 2022 को हुए समझौते में जो समयसीमा तय की गई थी, 2,178 करोड़ रुपए यह ओटीएस उससे करीब एक महीने पहले, आठ मार्च को पूरा हो गया। रेलिगेयर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस निपटान के साथ ही पूर्ववर्ती प्रवर्तकों के कदाचार से उत्पन्न मुद्दों का समापन हो जाएगा। उन्होंने बताया कि जनवरी 2018 में कंपनी की कमान नए प्रबंधन ने संभाली थी तब से आरएफएल ने ऋणदाताओं की 9,000 करोड़ रुपए से अधिक राशि चुका दी है। इस निपटान से आरएफएल का कारोबार फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि आरएफएल का बहीखाता मजबूत होगा जिससे अगली कुछ तिमाहियों में कारोबार की वृद्धि कायम रह सकेगी। अे धिकारी ने कहा कि आगे जाकर भी आरएफएल सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को कर्ज देने पर ध्यान देना जारी रखेगा। ओटीएस की प्रक्रिया पूरी होने के साथ आरएफएल सुधारात्मक कार्रवाई योजना (सीएपी) से बाहर आ जाएगी।

इंस्टाग्राम ठप होने से हजारों यूजर्स हुए परेशान

मुंबई । दुनिया भर में गुरुवार को सुबह के समय इंस्टाग्राम ठप हो गया था। आउटेज ट्रैकिंग वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार सुबह हजारों यूजर्स के लिए इंस्टाग्राम सेवाएं डाउन थीं। डाउनडिटेक्टर के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर समस्याओं की रिपोर्ट करने वाले लोगों की संख्या 27,000 से अधिक थी। बता दें कि बेवसाइट ने अपने प्लेटफॉर्म पर यूजर द्वारा सबमिट की गई त्रुटियों सहित कई स्रोतों से स्टेटस रिपोर्ट को जोड़कर आउटेज को ट्रैक करता है। डाउन डिटेक्टर पर आउटेज ग्राफ में सुबह 7 बजे के आसपास बढ़ोतरी दिखी, जो बढ़ते रिपोर्ट की संख्या को दिखाती है। जबकि रिपोर्ट किए गए आउटेज की 52 फीसदी से अधिक समस्या सर्वर कनेक्शन के संबंधित थी। वहीं 30 फीसदी लोगों को ऐप को चलाने में समस्या हो रही थी, जबकि 18 फीसदी इलॉगिन समस्या के बारे में थे। पहले भी ऐप में इस तरह की तकनीकी गड़बड़ी आई थी, उस वक्त कई यूजर्स इंस्टाग्राम पर मैसेज नहीं कर पा रहे थे। हालांकि कुछ वक्त के बाद कंपनी ने इस दिक्कत को ठीक कर लिया था।

गौतम अडानी समूह अभी भी ऑस्ट्रेलिया में एक महत्वपूर्ण निवेशक

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त बैरी ओफेरेल ने कहा कि गौतम अडानी समूह अभी भी ऑस्ट्रेलिया में एक महत्वपूर्ण निवेशक है। ओफारेल ने कहा, अडानी का निवेश ऑस्ट्रेलिया में पूरी तरह से काम कर रहा है। मुझे ऑस्ट्रेलिया से कारोबार पर कोई असर होने की कोई रिपोर्ट नहीं दिख रही है, वह अभी भी एक महत्वपूर्ण निवेशक है। अडानी समूह गौतम अडानी द्वारा स्थापित एक भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह है। इसका मुख्यालय अहमदाबाद में है।

ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त ने कहा कि होली की शाम को ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीज अहमदाबाद पहुंचने वाले हैं। मुझे उम्मीद है कि वह उन समारोहों में भाग लेने वाले हैं। ओफेरेल ने कहा कि बहुत जल्द, भारत में ऑस्ट्रेलियाई परिसर होंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि दो ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय- वोलोंगोंग और डीकिन जल्द ही गुजरात में कैंपस स्थापित करने वाले हैं।

प्रधान ने कहा, शिक्षा सभी परिवर्तन की कुंजी है। इसलिए, शिक्षा सभी परिवर्तन और साझेदारी के लिए प्राकृतिक मां है। भारत और ऑस्ट्रेलिया 21वीं सदी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए दोतरफा गतिशीलता के माध्यम से संबंधों को गहरा कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की और बुधवार को नई दिल्ली में छात्र सहभागिता कार्यक्रमों में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि शैक्षिक संबंधों को मजबूत करने से दोनों देशों के छात्रों को विविध सांस्कृतिक सेटिंग्स में सीखने और नए अनुभव प्राप्त करने के मौके मिलने वाले हैं, जिससे वसुधैव कुटुम्बकम या एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य के मूल्यों को सही मायने में बनाए रखा जा सकेगा। भारत के जी 20 प्रेसीडेंसी की थीम भी। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने स्कूल, उच्च और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा क्षेत्र में अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए विचार-विमर्श किया। उन्होंने दोनों देशों में युवाओं को सशक्त बनाने और शिक्षा और कौशल क्षेत्र को और अधिक जीवंत बनाने के लिए जुड़ाव को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने उच्च शिक्षा, कौशल में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के वितरण की खोज करके संस्थागत सहयोग और दो-तरफा गतिशीलता बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त ने भी इस बात पर जोर दिया कि क्वाड इंडो-पैसिफिक नाटो में नहीं बदल रहा है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.97 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे बढ़क 81.82 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 81.93 पर खुला और पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त दर्ज करते हुए 81.82 के स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.95 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी गिरकर 105.63 पर पहुंच गया।

सुरक्षा समूह करेगा जेपी इन्फ्राटेक का अधिग्रहण

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कर्ज के बोझ से दबी जेपी इन्फ्राटेक के अधिग्रहण के लिए दिवाला समाधान प्रकिया के जरिए लगाई गई सुरक्षा समूह की बोली को मंजूरी दे दी। इसके तहत सुरक्षा समूह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विभिन्न अटकी परियोजनाओं में 20,000 फ्लैट का निर्माण करेगा। एनसीएलटी के अध्यक्ष रामलिंगम सुधाकर की अगुवाई वाली दो सदस्यीय प्रधान पीठ ने सुरक्षा समूह की तरफ से पेश समाधान योजना को मंजूरी दे दी। न्यायाधिकरण ने पिछले साल 22 नवंबर को जेपी इन्फ्राटेक के समाधान पेशेवर की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। इस याचिका में नोएडा और ग्रेटर नोएडा में विभिन्न लंबित परियोजनाओं के 20,000 फ्लैट के निर्माण की सुरक्षा समूह को अनुमति देने की अपील की गई थी। जून, 2021 में सुरक्षा समूह को ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) से जेपी इन्फ्राटेक के अधिग्रहण की अनुमति मिली थी। सीओसी में बैंकों के अलावा घर खरीदार भी शामिल हैं। इस फैसले से 20,000 घर खरीदारों को जेपी इन्फ्राटेक की अटकी परियोजनाओं में अपने फ्लैट का कब्जा मिलने की उम्मीद बंधी है। जेपी इन्फ्राटेक के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया अगस्त, 2017 में शुरू हुई थी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

निवेशकों को 2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आया है। कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 542 अंक 541.81 अंक करीब 0.90 फीसदी टूटकर 59,806.28 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स 60,467.09 के उच्च स्तर तक पहुंचा और उसके बाद 59,750.53 के निचले स्तर पर आया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 164.80 अंक तककरीबन 0.93 फीसदी नीचे आकर 17,589.60 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 17,772.35 के उच्च स्तर और 17,573.60 के निचले स्तर तक आया। वहीं बीएसई का मिडकैप सूचकांक 0.55 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक 0.2 फीसदी फिसला है। कारोबार के दौरान उपभोक्ता क्षेत्र (एफएमसीजी), रियल्टी, ऑटो और आईटी के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में 7 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। टाटा स्टील, लार्सन एंड टूब्रो, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और एनटीपीसी के शेयरों को सबसे सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई, मारुति के शेयर सबसे ज्यादा नीचे आये हैं। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 1.97 लाख करोड़ रुपये नीचे आया है। गत कारोबारी दिन 266.24 लाख करोड़ रुपये था जबकि आज बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 264.27 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुआ पर जल्द ही निवेशकों पर बिकवाली हावी हो गई और गिरावट दिखने लगी। घरेलू निवेशकों पर वै श्विक बाजार में आई गिरावट का दबाव भी दिख रहा है। इससे पिछले सत्र में बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ था। शुरुआती कारोबार में टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील जैसे शेयरों ने गिरावट में भी चमक बढ़ाई है। सेंसेक्स 119 अंकों की तेजी के साथ 60,467 पर खुला और कारोबार की शुरुआत हुई। निफ्टी भी 18 अंकों की बढ़त बनाकर 17,772 पर खुला। बाजार के शुरुआती दौर को देखकर लगा कि आज भी बढ़त मिलेगी, लेकिन जल्द ही निवेशकों पर वैश्विक बाजार का दबाव दिखने लगा और उन्होंने मुनाफावसूली शुरू कर दी।

अदानी ग्रुप की कंपनी के शेयरों में 6 दिनों से आ रही तेजी थमी

- एनडीटीवी का शेयर 2.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 247.40 रुपए पर बंद हुआ

नई दिल्ली ।

अदानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरों में पिछले 6 दिन से आ रही तेजी आज थम गई। इसकी वजह यह है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अदानी एंटरप्राइजेज समेत ग्रुप के तीन शेयरों को शॉर्ट टर्म सर्विलांस फ्रेमवर्क में डाल दिया है। इनमें अदानी एंटरप्राइजेज के अलावा अदानी पॉवर और अदानी विल्मर शामिल हैं। इन शेयरों में हाल में काफी तेजी आई है। अदानी एंटरप्राइजेज को पहले गिरावट के कारण इस फ्रेमवर्क में डाला गया था और एक दिन पहले ही उसे इससे मुक्ति मिली थी, लेकिन अब तेजी के कारण उसे इसमें डाला गया है। साथ ही केयर रेटिंग ने भी अदानी एंटरप्राइजेज के आउटलुक को स्टेबल से निगेटिव कर दिया है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि कंपनी के खिलाफ रेगुलेटरी और लीगल स्क्रूटिनी के चलते उसने ऐसा किया है। इससे आज यानी गुरुवार को इसके शेयरों में गिरावट देखी जा रही है। बीएसई पर दोपहर बाद 1.50 बजे यह 5.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1933.80 रुपये पर ट्रेड कर रहा था, इसमें बुधवार को करीब तीन फीसदी तेजी आई थी। इसका 52 हफ्ते का टॉप लेवल 4 हजार 189.55 रुपये है जो इसने पिछले साल 21 दिसंबर को छुआ था। इसका न्यूनतम स्तर 1 हजार 17.10 रुपये है। यह तीन फरवरी को इस स्तर पर पहुंचा था। अदानी ग्रुप के बारे में हिंडेनबर्ग रिसर्च की निगेटिव रिपोर्ट के कारण अदानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। एनएसई ने तीन फरवरी को ग्रुप के तीन शेयरों अदानी एंटरप्राइजेज, अंबूजा सीमेंट्स और अदानी पोर्ट्स को सर्विलांस फ्रेमवर्क में डाल दिया था। अंबूजा सीमेंट्स और अदानी पोर्ट्स को पिछले महीने ही इस फ्रेमवर्क से हटा दिया गया था, जबकि अदानी एंटरप्राइजेज को हाल में इससे बाहर किया गया। हालांकि, तेजी के कारण फ्रेमवर्क में डाले गए दो अन्य शेयरों अदानी पॉवर और अदानी विल्मर ने गुरुवार को अपर सर्किट छुआ। इनके अलावा अदानी ट्रांसमिशन, अदानी टोटल गैस और अदानी ग्रीन एनर्जी ने भी पांच फीसदी का अपर सर्किट छुआ। एनडीटीवी का शेयर 2.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 247.40 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। अंबूजा सीमेंट्स 1.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 386.05 रुपये और एसीसी (एसीसी) 1.55 फीसदी की गिरावट के साथ 1858.25 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन का शेयर 2.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ 692.30 रुपये पर था।

ऐपल इंक ने मैनेजमेंट में कुछ फेरबदल किए

नई दिल्ली । भारत में कारोबार बढ़ाने के लिहाज से ऐपल इंक ने अपने वैश्विक कारोबार को संभालने वाले मैनेजमेंट में कुछ फेरबदल किए हैं। हाल ही में देश में बढ़ती ऐपल प्रोडक्ट्स की डिमांड के चलते भारत ऐपल कंपनी के लिए एक अलग सेल रीजन बन गया है। ब्लूमबर्ग की खबर के अनुसार इसके चलते भारत का एशिया के देशों के बीच में टेक के क्षेत्र में अलग पहचान बनेगी। हालांकि इस बारे में कंपनी के प्रवक्ता ने कोई भी टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। एप्पल ने क्षेत्र की सेवा के लिए एक ऑनलाइन स्टोर बनाया है और इस साल के अंत में देश में अपना पहला रिटेल आउटलेट खोलने की योजना बना रहा है। एप्पल के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी बाजार पर बहुत अधिक जोर दे रही है और भारत में अपने काम की वर्तमान स्थिति की तुलना चीन में अपने शुरुआती वर्षों से की। उन्होंने कहा कि संक्षेप में हमने चीन में वर्षों पहले जो कुछ सीखा था, उसी को ध्यान में रख रहे हैं। चीन वर्तमान में एप्पल के लिए लगभग 75 बिलियन प्रति वर्ष प्रोडक्शन करता है, जिससे यह अमेरिका और यूरोप के बाद कंपनी का सबसे बड़ा बिक्री क्षेत्र बन गया है।

बर्लिन में ट्रेवल ट्रेड शो के में भाग लेते हुए लोग।

नीता अंबानी ने लॉन्च किया 'द हर सर्किल, एवरीबॉडी प्रोजेक्ट'

मुंबई ।

रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर-चेयरपर्सन नीता अंबानी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'द हर सर्किल, एवरीबॉडी प्रोजेक्ट' लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य सभी तरह के शारीरिक भेदभावों को भुलाकर सकारात्मकता का संचार करना है। शारीरिक भेदभावों से अभिप्राय साइज़, उम्र, रंग, धर्म, न्यूरो-डायवर्सिटी और फिजिकलिटी से है। इन तमाम भेदभावों को दरकिनार करते हुए सबको एक-समान रूप से अपनाने के लिए प्रेरणा देना इस प्रोजेक्ट का प्रमुख उद्देश्य है। साथ ही यह भी कि समाज में सबकी स्वीकृति दयालुता और बिना किसी जजमेंट के आधार पर हो। बता दें कि महिलाओं के लिए एक सुरक्षित, समावेशी, विकासोन्मुखी डिजिटल वातावरण बनाने के उद्देश्य से नीता एम अंबानी ने 2021 में 'हर सर्किल' लॉन्च किया था। प्लेटफॉर्म की दूसरी सालगिरह पर हर सर्किल भारत का महिलाओं के लिए सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है, जिसकी पहुंच फिलहाल 31 करोड़ लोगों तक है। हर सर्किल की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर नीता अंबानी ने न केवल हर सर्किल एवरीबॉडी प्रोजेक्ट लॉन्च किया, बल्कि उन्होंने हर सर्किल को एक साक्षात्कार भी दिया। वे इस बार के एनिवर्सरी स्पेशल डिजिटल कवर पर भी हैं। हर सर्किल के यूजर्स को बधाई देते हुए अपने विशेष संदेश में उन्होंने कहा कि हर सर्किल की टीम और उन लाखों महिलाओं को मैं बधाई देती हूं, जिनसे मिलकर हर सर्किल बना है! हमने एक विचार के रूप में इसे शुरू किया। और हम इसके सभी महिलाओं के लिए एक आंदोलन बनने की आशा करते हैं! हमने महामारी के मध्य लॉकडाउन में हर सर्किल को लॉन्च किया था। पिछले दो वर्षों में हमने लंबा रास्ता तय किया है. लेकिन, यह केवल शुरुआत है!

अडानी को फिर से अपनी दो कंपनियों के शेयर गिरवी रखने पड़े

नई दिल्ली ।

मुसीबत में घिरे गौतम अडानी ने हिंडनबर्ग रिसर्च की निगेटिव रिपोर्ट के बाद अपना ट्रैक बदल दिया है। उनका ग्रुप पहले तेजी से विभिन्न क्षेत्रों में अपना विस्तार कर रहा था लेकिन अब उसका जोर कर्ज कम करने पर है। इस बीच अडानी फिर से अपनी दो कंपनियों के शेयर गिरवी रखने पड़े हैं। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के लोन को सपोर्ट करने के लिए उन्हें ऐसा करना पड़ा है। रेगुलेटरी फाइलिंग के मुताबिक अडानी ने अडानी ट्रांसमिशन के 0.99 फीसदी और अडानी ग्रीन एनर्जी के 0.76 फीसदी शेयर एसबीआईकैप ट्रस्टी के पास गिरवी रखे हैं। मौजूदा कीमत के हिसाब से इन शेयरों की कीमत 1,670 करोड़ रुपए बैठती है। इससे एक दिन पहले ही अडानी ग्रुप ने अपनी चार कंपनियों के शेयर छुड़ाए थे। एसबीआईकैप ट्रस्टी देश से सबसे बड़े बैंक एसबीआई की एक यूनिट है।

उसका कहना है कि अडानी एंटरप्राइजेज के लेंडर्स को बेनिफिट देने के लिए इन शेयरों को गिरवी रखा गया है। इसके साथ ही अडानी ट्रांसमिशन में अडानी के गिरवी शेयरों की संख्या 1.32 फीसदी और अडानी ट्रांसमिशन में दो फीसदी पहुंच गई है। हालांकि एसबीआईकैप ने साफ किया है कि वह केवल सिक्योरिटी के तौर पर शेयरों को रखती है।

कंपनी अपने कस्टमर्स (लेंडर्स) के दिशानिर्देश पर ऐसा करती है और वह लेंडिंग के बिजनस में नहीं है। यानी वह किसी कंपनी को लोन या कर्ज नहीं देती है। हालांकि कंपनी ने यह साफ नहीं किया कि अडानी ग्रुप के प्रमोटर्स ने किस लोन के लिए अतिरिक्त शेयर गिरवी रखे हैं और ये किस लेंडर के लिए हैं। इस बीच अडानी ग्रुप ने 4,100 करोड़ रुपए के ब्रिज लोन का भुगतान कर दिया है। इसका भुगतान गुरुवार तक किया जाना था। एक खबर के मुताबिक अडानी ग्रुप ने मंगलवार को ही पैसा रिलीज कर दिया था। अडानी ग्रुप ने अंबूजा सीमेंट्स और एसीसी को खरीदने के लिए यह ब्रिज लोन लिया था। एसबीआईकैप ने कहा कि अडानी ट्रांसमिशन और अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर छह मार्च को गिरवी रखे गए। इससे पहले मंगलवार को अडानी ग्रुप ने 73.74 अरब रुपये (करीब 90 करोड़ डॉलर) के कर्ज का समय से पहले भुगतान करके अपनी कई कंपनियों के शेयर छुड़ाए थे। इससे अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स, अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी ट्रांसमिशन के शेयर रिलीज होंगे।

क्रिप्टो पर कसा शिकंजा! बिना केवाईसी ट्रेडिंग तो दर्ज होगा मनी लॉन्ड्रिंग का केस

- भारत के मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कानून अब क्रिप्टोकरेंसी में व्यापार करने पर भी लागू होंगे

नई दिल्ली ।

क्रिप्टोकरेंसी और इससे संबंधित मुद्दों पर सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस फैसले के बाद देश में अब क्रिप्टोकरेंसी के जरिए किसी अवैध काम को करना मुश्किल हो जाएगा। सरकार ने डिजिटल संपत्तियों की निगरानी कड़ी करने के मकसद से क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल संपत्ति पर धन शोधन रोधी प्रावधान लागू कर दिया है। यानी भारत के मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कानून अब क्रिप्टोकरेंसी में व्यापार करने पर भी लागू होंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि ऐसी परिसंपत्तियों पर अब धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 लागू होगा।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने हाल ही में एक नया गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने गजट नोटिफिकेशन में कहा कि क्रिप्टो लेनदेन, पास में रखने और संबंधित वित्तीय सेवाओं के लिए धनशोधन निवारण कानून लागू किया गया है। ऐसे में भारतीय क्रिप्टो एक्सचेंजों को वित्तीय खुफिया इकाई भारत (एफआईयू भारत) को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देनी होगी। क्रिप्टोकरेंसी पर मनी लॉन्ड्रिंग नियम लागू हो जाने के बाद से प्रशासन को देश की सीमाओं के बाहर इन एसेट्स को ट्रांसफर पर निगरानी करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा वर्चुअल डिजिटल एसेट्स से निपटने वाले क्रिप्टो एक्सचेंज और बिचौलियों को अब अपने ग्राहकों और प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं के केवाईसी करने की आवश्यकता होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि वीडीए में काम करने वाली संस्थाओं को पीएमएलए के तहत माना जाएगा। बैंक, वित्तीय संस्थान, रियल एस्टेट, ज्वेलरी सेक्टर में लगी संस्थाएं और साथ ही कैसीनो अब रिपोर्टिंग संस्थाएं हैं।

इस कानून के तहत, प्रत्येक रिपोर्टिंग इकाई को सभी लेन देन का रिकॉर्ड बनाए रखना आवश्यक है। क्रिप्टो पूरी तरह से निजी करेंसी है। यह लीगर टेंडर (वैध मुद्रा) नहीं है और इसे कोई सरकार मॉनिटर नहीं करती। न ही किसी सरकार या सेंट्रल बैंक का इस पर कोई कंट्रोल होता है।

डिवाइन को आरसीबी के वापसी करने की उम्मीदें

मुंबई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की प्रमुख बल्लेबाज न्यूजीलैंड की बल्लेबाज सोफी डिवाइन को उम्मीद है कि उनकी टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में वापसी करने में सफल रहेगी। आरसीबी को अब तक हुए तीनों ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात जाइंट्स के खिलाफ हुए तीसरे मैच में भी टीम 202 रन के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी और छह विकेट पर 180 रन ही बना पायी। आरसीबी ने काफी अधिक खाली गेंद खेली और 14वें ओवर तक टीम एक भी छक्का नहीं लगा पायी। सोफी से जब हार का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'कोई सटीक कारण नहीं बताया जा सकता पर काफी अधिक खाली गेंद खेलना हमें भारी पड़ा। कभी कभी ऐसा होता है पर आपको यहां विरोधी टीम के गेंदबाजों को श्रेय देना होगा। इस बल्लेबाज ने कहा कि हमें पता था कि इस मैदान में 190-200 का स्कोर प्रतिस्पर्धी स्कोर है क्योंकि यहां छोटी बाउंड्री, सपाट पिच और तेज आउटफील्ड है। यहां अब तक तीन मैच में दो बार टीमें 200 से अधिक रन बना पायी हैं। सोफी को उम्मीद है कि वह और कप्तान स्मृति मंधाना आने वाले मैचों में बड़े स्कोर बनाने में सफल रहेंगी। यह सलामी जोड़ी अब तक तीनों ही मैचों में टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दिला पायी है। वहीं गुजरात की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली सोफिया डंकले ने कहा कि यह पिच बल्लेबाजी के अनुकूल थी।

इंडोनेशिया को रौंदकर भारत ने एशियाई कप की ओर बढ़ाया कदम

वियत ट्राई सिटी

भारतीय अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी अंडर-20 एशियाई कप क्वालीफायर में गुरुवार को इंडोनेशिया को 6-0 से रौंदकर प्रतियोगिता में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वियत ट्राई स्टेडियम पर खेले गये एकतरफा ग्रुप-एफ मुकाबले में मेमोल रॉकी की टीम ने दोनों अर्द्धों में तीन-तीन गोल करके अपने वर्चस्व का बराबर विभाजन किया। नेहा (चौथा, 21वां मिनट) और सुमति कुमारी (74वां, 90+1वां मिनट) ने भारत के लिये दो-दो गोल किये, जबकि काजोल डिसूज़ा (45वां मिनट) और अपूर्णा नरज़री (56वां मिनट) ने एक-एक गोल जमाया। पिछले मैच में सिंगापुर को 7-0 से रौंदने वाली भारतीय टीम छह अंकों के साथ ग्रुप तालिका में पहले स्थान पर है। भारत का अगला मुकाबला शनिवार को मेज़बान वियतनाम से होगा। ग्रुप स्टेज के अंत में तालिका के शीर्ष पर रहने वाली टीम क्वालीफायर के दूसरे चरण के लिये क्वालीफाई करेगी, जिसका आयोजन जून 2023 में होगा।

भारत अंडर-20 महिला एकादश: अंशिका, पूर्णिमा कुमारी, हेमम शिल्की देवी (साहिना प्रतिस्थापन 90वां मिनट), अष्टम उरांव, लिशम बबीना देवी (तानिया कांति प्रतिस्थापन 78वां मिनट), काजोल डिसूज़ा, अनीता कुमारी (मौसुमी मुर्मू प्रतिस्थापन 78वां मिनट), नेहा (सुमति कुमारी प्रतिस्थापन 64वां मिनट), शुभांगी सिंह, नीतू लिंडा (शैलजा प्रतिस्थापन 90वां मिनट), अपर्णा नार्जरी।

पहले एकदिवसीय में पंड्या करेंगे कप्तानी, रोहित को मिला आराम

मुम्बई ।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 17 मार्च को मुंबई में होने वाले पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में नियमित कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया जाएगा जबकि टीम की कप्तानी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या करेंगे। अभी एकदिवसीय सीरीज के लिए खिलाड़ी फिटनेस कैंप के लिए बेंगलुरु में हैं। अहमदाबाद टेस्ट कितनी जल्दी खत्म होता है, इसके आधार पर सभी खिलाड़ियों को छोटा ब्रेक मिलेगा और फिर एकदिवसीय सीरीज शुरू होने से 2 दिन पहले 15 मार्च को ये सभी मुंबई में एकत्र होंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, खिलाड़ी फिटनेस कैंप के लिए बेंगलुरु में हैं। वे 14 मार्च को मुंबई जाएंगे। वहीं टेस्ट टीम में शामिल खिलाड़ी 15 मार्च को टीम से जुड़ेंगे। कोच राहुल द्रविड़ टीम के साथ रहेंगे। वो ब्रेक पर नहीं जा रहे हैं। रोहित शर्मा 19 मार्च को विशाखापट्टनम में होने वाले दूसरे एकदिवसीय में टीम के साथ जुड़ेंगे और कप्तानी भी करेंगे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के फौरन बाद खिलाड़ी अपनी अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी में शामिल होंगे और एनसीए उनकी फिटनेस पर निगरानी रखेगा। आईपीएल 31 मार्च से शुरू होगा. बीसीसीआई अधिकारी ने इसे लेकर कहा, पूरे आईपीएल में वर्ल्ड कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप योजना में शामिल खिलाड़ियों की निगरानी एनसीए की टीम करेगी

पीएसपीबी शतरंज - राहुल नें प्रज्ञानन्दा को 26 चालों में हराकर चौंकाया

पुणे (निकलेश जैन) शतरंज के खेल में भारत प्रतिभाओं से भरा पड़ा है और हर रोज हमें कुछ चौंकाने वाले परिणाम देखने को मिलते है इसी कड़ी में पुणे में चल रही 32वीं इंटर यूनिट पीएसपीबी रैपिड टीम शतरंज चैंपियनशिप में 19 वर्षीय इंटरनेशनल मास्टर राहुल वी एस (ओएनजीसी बी) ने तीसरे दौर में दुनिया भर में ख्याति अर्जित कर चुके ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानन्दा (आईओसी ए) को पराजित करते हुए सबसे बड़ा उलटफेर किया । हालांकि राहुल की टीम **ONGC B, IOC A** से 1-3 के स्कोर से हार गई, लेकिन यह व्यक्तिगत जीत निश्चित रूप से उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली है। 32वीं इंटर यूनिट पीएसपीबी रैपिड टीम चेस चैंपियनशिप 2023 एक नॉन-रेटेड इवेंट है। इसमें भारत के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। फिलहाल 4 राउंड के बाद अपने सभी मैच जीतकर ओएनजीसी की मुख्य टीम सबसे आगे चल रही है ।

अंकिता रैना, ब्रेंडा फ्रूहविरतोवा आईटीएफ महिला ओपन के क्वार्टरफाइनल में

बेंगलुरू-

भारत की अंकिता रैना और चेक गणराज्य की शीर्ष वरीय ब्रेंडा फ्रूहविरतोवा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरूवार को यहां आईटीएफ महिला ओपन में एकल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। चौथी वरीय अंकिता ने राउंड 16 मैच में पसीना बहाये बिना थाईलैंड की लनलाना तारारूदी को आसानी से 6-2, 6-1 से पराजित किया। वहीं 15 साल की ब्रेंडा ने तीन सेट की चुनौती से पार पाते हुए थाईलैंड की पिंगटार्ण प्लीपुएच को 6-4, 3-6, 6-2 से शिकस्त दी। वहीं गैर वरीयता प्राप्त भारतीय रूतुजा भोंसले ने भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने लातिविया की डायना मार्सिंकेविका को 4-6, 6-3, 6-2 से हराया। बाद में भोंसले ने युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने अपनी जोड़ीदार जैकलीन अवाद के साथ मिलकर तीसरी वरीयता प्राप्त साकी इमामुरा और चिया यिक साओ पर आसानी से 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। पर देश की एक अन्य खिलाड़ी जील देसाई को इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त माडेलिन नुग्रोहो से 7-5 3-6 5-7 से हार का सामना करना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

सात हजार रन बनाने वाले तीसरे श्रीलंकाई क्रिकेटर बने मैथ्यूज

साउथी न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने

क्राइस्टचर्च । एंजेलो मैथ्यूज टेस्ट क्रिकेट में 7000 रन बनाने वाले तीसरे श्रीलंकाई क्रिकेटर बने हैं। कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह तीसरे श्रीलंकाई बल्लेबाज हैं। मैथ्यूज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ही यह आंकड़ा हासिल कर लिया है। इसी के साथ ही मैथ्यूज ने अपने ही देश के पूर्व सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या को भी पीछे छोड़ दिया। मैथ्यूज ने 98 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की सहायता से 47 रन बनाए। वह मैट हैनरी का शिकार बने। वहीं कीवी गेंदबाजी टिम साउथी ने भी एक रिकार्ड बनाया है। वह न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए है। साउथी ने इस मैच में स्पिनर डेनियल विटोरी को पीछे छोड़ा। साउदी के अब 93 टेस्ट मैच में 362 विकेट हो गए हैं जबकि विटोरी ने 112 टेस्ट मैच में 361 विकेट लिए थे। अब साउथी के निशाने पर दिग्गज गेंदबाज सर रिचर्ड हैडली के 86 मैचों में 431 विकेट टेस्ट हैं। इस प्रकार साउदी को न्यूजीलैंड की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 70 विकेट और चाहिये।

स्मिथ, लाबुशेन सहित ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जमकर होली खेली

अहमदाबाद । भारत दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलियाई टीम भी होली खेलने से अपने आप को नहीं रोक पायी। चौथे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कप्तान स्टीव स्मिथ के साथ रंग खेला। रंग खेलने की तस्वीरें स्मिथ और अन्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने अपने-अपने ट्विटर अकाउंट से जारी की हैं। इन तस्वीरों में स्मिथ के साथ ही मार्नस लाबुशेन और अन्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर भी हैं। भारतीय टीम बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2-1 से आगे है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम का लक्ष्य अंतिम मैच जीतकर सीरीज में बराबरी करना रहेगा। पहले दो टेस्ट भारतीय टीम ने जीते थे जबकि तीसरा टेस्ट ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीता। के पहले दो टेस्ट में शिकस्त के बाद तीसरे टेस्ट में भारत पर 9 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस टेस्ट में जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम का लक्ष्य विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए अपना नंबर एक स्थान बनाये रखना रहेगा। वहीं भारतीय टीम को अगर फाइनल में जगह बनानी है तो उसे हर हाल में ये मैच जीतना होगा। भारतीय टीम अगर यह टेस्ट जीत लेती है तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए आसानी से क्वालीफाई कर लेगी। वहीं हार के साथ ही उसके फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को झटका लगेगा। ऐसे में तीसरे स्थान पर चल रही श्रीलंकाई टीम को फाइनल में जगह बनाने का अवसर मिल जाएगा।

ख्वाजा के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने बनाये 4 विकेट पर 255 रन

अहमदाबाद ।

यहां के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में गुरुवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर सीरीज का चौथा और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच शुरु हुआ। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उस्मान ख्वाजा के नाबाद शतक 104 रनों और कैमरुन ग्रीन के 49 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 255 रन बनाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 2 विकेट लिए जबकि आर अश्विन और रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट लिया। आज के दिन का आकर्षण सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की पारी रही। उन्हें कैमरुन का अच्छा साथ मिला। दोनो के बीच ही नाबाद 85 रन की साझेदारी हुई। ख्वाजा ने जिस प्रकार विपरीत हालातों में खेला उससे उन्होंने साबित किया कि वह अपनी देश की ओर से एशिया में खेलने वाले सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। इस मैच में टॉस जीतकर सलामी बल्लेबाजों ट्रैविस हेड और उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को शुरुआत दी। हैड और ख्वाजा ने पहले विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की पर आर अश्विन और शमी ने एक-एक विकेट लेकर भारत की वापसी कराई। दो विकेट गिरने से भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाना शुरु किया पर दूसरे सत्र में एक बार फिर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दबदबा बना लिया। भारतीय टीम ने दो और विकेट लिए पर तब तक ग्रीन और ख्वाजा ने टीम को दिशा दे दी थी। शमी ने मार्नस लाबुशेन को आउट कर मेहमान टीम को करारा झटकर दिया। लाबुशेन तीन रन ही बना सके। लंच के समय तक ख्वाजा और कप्तान स्टीव स्मिथ 27 और दो रन पर नाबाद थे। लंच के बाद ख्वाजा ने हालातों के अनुसार बल्लेबाजी करते हुए खराब गेंदों का फायदा उठाया। वही स्मिथ ने भी संयम से खेलते हुए रन बनाये। ख्वाजा ने शमी की गेंद पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। ख्वाजा और स्मिथ के बीच नाबाद 77 रन की साझेदारी हुई। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने चायकाल तक दो विकेट पर 149 रन बना लिए थे। चाय के बाद आगे खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट गंवाये। जडेजा ने स्मिथ 38 को बोल्ड किया जबकि पीटर हैंड्सकॉम्ब 17 को शमी ने पेवेलियन भेजा। छठे नंबर पर उतरे ग्रीन ने ख्वाजा का साथ दिया और तेज गति से रन बनाये।

शमी की गेंद पर हैंड्सकॉम्ब का विकेट हवा में उछला

अहमदाबाद । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार गेंदबाजी करते हए दो विकेट लिए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम का चौथा विकेट बल्लेबाज पीटर हैंड्सकॉम्ब का गिरा। हैंड्सकॉम्ब शमी की गेंद पर 17 रन बनाकर बोल्ड हो गये। शमी ने जिस प्रकार हैंड्सकॉम्ब के विकेट बिखेर दिये उसये सभी हैरान रह गये। शमी की इस गेंद को हैंड्सकॉम्ब ने रक्षात्मक तरीके से रोकने का प्रयास किया पर वह इसमें विफल रहे। इसका परिणाम यह हुआ कि गेंद ने उनके विकेट उखाड़ दिये। इस दौरान स्टंप को कुछ दूर तक हवा में उड़ते हुए भी देखा गया। चौथे टेस्ट मुकाबले में हैंड्सकॉम्ब का बल्ला नहीं चला और वह केवल 17 रन ही बना पाये।

बीसीसीआई को बुमराह के विश्वकप से पहले फिट होने की उम्मीद

अगस्त से शुरु कर सकते हैं अभ्यास

मुम्बई । टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड में अपनी पीठ की सर्जरी करायी है। इस कारण उन्हें करीब छह माह तक खेल से दूर रहना होगा। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई को उम्मीद है कि बुमराह अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप तक फिट हो जाएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार बुमराह अगस्त तक सर्जरी से उबर जाएंगे और ऐसे में वह विश्वकप के लिए अभ्यास शुरू कर सकते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) भी चाहता है कि बुमराह की वापसी तभी हो जब वह पूरी तरह गेंदबाजी करने के लिए फिट हों। एनसीए के मेडिकल स्टाफ की सलाह के बाद ही बीसीसीआई ने बुमराह को सर्जरी करायी है। एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन अक्टूबर-नवंबर में भारतीय धरती पर ही होना है। इससे पहले भारत 50 ओवर के प्रारूप में आयोजित होने वाले एशिया कप में भी हिस्सा लेगा। बुमराह सितंबर 2022 में ही पीठ में स्ट्रेस फैक्चर के कारण बाहर हो गये थे। इसी कारण वह एशिया कप 2022 और टी20 विश्व कप में भी भाग नहीं ले पाये। अब सर्जरी के कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से भी बाहर हो गये हैं। बुमराह नवंबर 2022 से ही एनसीए में रिहैब से गुजर रहे थे। उन्होंने दिसंबर में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया था। इसी कारण चयनकर्ताओं ने उन्हें श्रीलंका के खिलाफ जनवरी में खेली गयी सीमित ओवर शृंखला के लिये टीम में शामिल किया था।

मुम्बई महिला प्रीमियर लीग: गुजरात जायंट्स ने आरसीबी को हराया

मुम्बई ।

सोफिया डंकले 65 और हरलीन देओल 67की शानदार बल्लेबाजी के बाद एशले गार्डनर की अच्छी गेंदबाजी की बदौलत महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को 11 रनों से हरा दिया। इस मैच में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाए। आरसीबी की ओर से श्रेयांका पाटिल और हीथर नाइट ने सबसे ज्यादा 2-2 विकेट जबकि अन्य गेंदबाजों को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद मिले 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम 20 ओवरों में 6 विकेट पर 190 रन ही बना पाई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की ओर से कप्तान स्मृति मंधाना और सोफी डिवाइन ने अच्छी शुरूआत की पर मंधाना 18 रनों पर ही आउट हो गई। इसके बाद सोफी और एलिस पेरी ने पारी को संभाला। सोफी ने 45 गेंदो में 8 चौके और 2 छक्के लगाकर 66 रन बनाये जबकि पेरी ने 25 गेंदों में 5 चौके लगाकर 32 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके जड़े। वहीं रिचा घोष मात्र 10 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। कनिका अहुजा भी 10 रन ही बना पायीं। हीथर नाइट ने 11 गेंदों में 30 रनों की पारी खेली, हालांकि वह टीम को जीत नहीं दिला पाईं। गुजरात की ओर से एशले गार्डनर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम की शुरूआत सही नहीं रही और उसने मेघना 8 रन बनाकर तीसरे ही ओवर में पेवलियन लौट गयीं। इसके बाद हरलीन देओल और सोफिया डंकले ने पारी को संभाला। सोफिया ने 28 गेंदों में 11 चौके और 3 छक्के लगाकर 65 रन की पारी खेली।सोफिया के आउट होने के बाद हरलीन ने 45 गेंदों में 9 चौके और 1 छक्के की मदद से 67 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहे। एशले गार्डनर 19, दयालन हेमलता 16 और एनाबेल सदरलैंड 14 रन ही बना पायी। कप्तान स्नेह राणा भी 2 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद किम गार्थ ने नाबाद 3 और शुशमा वर्मा ने नाबाद 5 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

लंदन में महिला फुटबॉल लीग में चेलेसा और ब्रिगटन के बीच मुकाबला हुआ।

डीकिन यूनिवर्सिटी तथा भारतीय शिक्षा संस्थान, उद्योग एवं सरकार के बीच पार्टनरशिप परिणामोन्मुखी बनेंगे : मुख्यमंत्री

DEAKIN UNIVERSITY

अहमदाबाद। अहमदाबाद में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीस, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री ऋषिकेश पटेल की उपस्थिति में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीकिन यूनिवर्सिटी का गुजरात में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात आज देश का रोल मॉल बना है और उन्हीं के मार्गदर्शन में गुजरात सरकार ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुजरात को एजुकेशन हब बनाने का मिशन भी कार्यान्वित किया है। साथ ही साथ, एजुकेशन पॉलिसी के अंतर्गत भारत की शिक्षा नीति को अंतरराष्ट्रीय स्तरीय बनाने की पहल भी प्रधानमंत्री के ही मार्गदर्शन में की गई है। पटेल ने आगे कहा कि भारत में फ़ॉरेन यूनिवर्सिटी स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ज्वॉइंट/ड्युअल/डिग्री ड्राफ़्ट रेगुलेशन का समावेश किया गया है। इस परिप्रेक्ष्य मे ऑस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी गांधीनगर के निकट गिफ़्ट सिटी में अपना कैम्पस शुरू कर रही है, जो गुजरात के लिए गौरव की बात है। डीकिन यूनिवर्सिटी का 'भारत में, भारत के साथ और भारत के लिए' दृष्टिकोण स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि भारत व डीकिन यूनिवर्सिटी के बीच पिछले लगभग तीन दशकों से स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप है। उन्होंने कहा कि डीकिन यूनिवर्सिटी तथा भारतीय शिक्षा संस्थान, उद्योग व सरकार के बीच पार्टनरशिप परिणामोन्मुखी बनेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इतना ही नहीं, उद्योग जगत में ग्रेजुएट मैनपावर उपलब्ध कराने के लिए गिफ़्ट सिटी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को साकार करने में डीकिन यूनिवर्सिटी-इंटरनेशनल ब्रांच कैम्पस सहायक बनेगा। पटेल ने गिफ़्ट सिटी के विश्व के लिए भारत का प्रथम फ़ाइनेंशियल एण्ड टेक्नोलॉजी गेट-वे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि गिफ़्ट सिटी में बैंकिंग, इंश्योरेंस एवं फ़ाइनेंशियल मार्केट में अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के लिए विश्व स्तरीय इन्फ़्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जो इंटरनेशनल यूनिवर्सिटियाँ गिफ़्ट सिटी में अपने ब्रांच कैम्पस खोलना चाहती हैं, उन सभी को सहयोग देने के लिए गुजरात तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स के साथ गुजरात ने वर्ष 2018 में सिस्टर सिटी एग्रीमेंट भी किया है। इतना ही नहीं, गुजरात एवं ऑस्ट्रेलिया के बीच लम्बे समय से नागरिक सम्पर्क भी रहा है। भारत तथा ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाई देने के लिए फ़्री ट्रेड एग्रिमेंट (एफ़टीए) एक सक्षम माध्यम बना है। भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात के आज देश का ग्रोथ इंजन बनने का उल्लेख कर कहा कि द्विपक्षीय संबंधों तथा मुक्त व्यापार समझौते का विशेष लाभ गुजरात को मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया तथा भारत;दोनों देशों ने दस से अधिक स्ट्रैटेजिक सेक्टर्स में संभावित सहयोग पर ध्यान केन्द्रित किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज जब जेम्स एण्ड ज्वेलरी, एग्रीकल्चर, टूरिज़्म, हेल्थ एण्ड फार्मा तथा एनर्जी जैसे बहुविद् क्षेत्रों में गुजरात भारत का अग्रगण्य राज्य है, तब फ़्री ट्रेड एग्रिमेंट के अंतर्गत वर्ष 2027 तक भारत एव ऑस्ट्रेलिया के बीच पचास बिलियन यूएस डॉलर के ट्रेड एण्ड कॉमर्स के संभावित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गुजरात भी महत्वपूर्ण योगदान करेगा।

पश्चिम रेलवे ने अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 तक गहन टिकट जांच अभियानों में दौरान जुर्माने के रूप में प्राप्त की रिकॉर्ड राशि

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे पर सभी अधिकृत यात्रियों को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय लोकल सेवाओं, मेल/एक्सप्रेस के साथ-साथ पैसेंजर ट्रेनों और हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को रोकने के लिए लगातार गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों के पर्यवेक्षण में बेहद अनुभवी टिकट जांच टीम द्वारा अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 की अवधि के दौरान कई टिकट जांच अभियान चलाए गए, जिससे 158.28 करोड़ रुपये की राशि जुर्माने के तौर पर प्राप्त की गई, जिसमें मुंबई उपनगरीय खंड से प्राप्त 39.99 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार फरवरी, 2023 के दौरान बिना बुक किए सामान के मामलों सहित 1.87 लाख बिना टिकट/अनियमित टिकट यात्रियों का पता लगाकर 12.24 करोड़ रुपये की राशि दंडस्वरूप वसूल की गई। उल्लेखनीय है कि अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 की अवधि के दौरान कुल 23.70 लाख बिना टिकट/अनियमित टिकट यात्रियों और बिना बुक किए सामान के मामलों का पता चला, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 15.92 लाख मामलों का पता चला था, जो कि 48.86त्न अधिक है। इन यात्रियों से 158.28 करोड़ रुपये का जुर्माना लिया गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 94.21 करोड़ रुपए की तुलना में 68.01त्न अधिक है। फरवरी, 2023 में पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय खंड से 3.28 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए लगातार औचक टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों के परिणामस्वरूप अप्रैल, 2022 से अब तक 42,600 से अधिक अनधिकृत यात्रियों पर जुर्माना लगाया गया है। पश्चिम रेलवे द्वारा आम जनता से सदैव उचित और वैध टिकट के साथ यात्रा करने की अपील की गई है।

पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद-महेसाना गेज परिवर्तित लाइन के संपूर्ण खंड की शुरुआत

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे गुजरात में रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास में अत्यधिक योगदान दे रहा है और पिछले कुछ वर्षों में यात्री सुविधाओं में वृद्धि के साथ-साथ नई लाइन, गेज परिवर्तन, विद्युतीकरण, दोहरीकरण और अन्य इंफ्रास्ट्रचरल अपग्रेडशन कार्य तेजी से पूर्ण किये गये हैं। इस दिशा में पश्चिम रेलवे ने अहमदाबाद मंडल पर जगुदन-महेसाना के बीच आमान परिवर्तन का कार्य पूरा कर लिया है और यातायात के लिए एक नई दोहरी लाइन खोल दी गई है। पिछले साल माननीय प्रधानमंत्री ने इस खंड के साबरमती-जगुदन भाग को राष्ट्र को समर्पित किया था। जगुदन-महेसाना भाग के दोहरीकरण कार्य पूरा होने के साथ संपूर्ण अहमदाबाद-महेसाना आमान परिवर्तन परियोजना पूर्ण हो गई है तथा इसे अब शुरू कर दिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जगुदन-महेसाना के बीच नई दोहरी लाइन को 90 किमी प्रति घंटे की गति से यातायात के लिए खोल दिया गया है। नए खंड में 1 बड़ा पुल, 16 छोटे पुल और ग्रेड विभाजक के रूप में 8 अंडरपास हैं। उल्लेखनीय है कि यह सेक्शन लेवल क्रॉसिंग से पूरी तरह मुक्त है जिससे रेल यात्रियों के साथ-साथ सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा में भी वृद्धि हुई है। यह परियोजना 620 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण की गई है। परियोजना कार्य की विस्तृत जानकारी देते हुए ठाकुर ने कहा कि महेसाना रेलवे स्टेशन पर 644 मीटर लम्बाई का एक अतिरिक्त प्लेटफार्म भी चालू किया गया है, जिससे लाइनों की संख्या 5 से बढ़कर 14 हो गई है। विरमगाम से पाटन के बीच डेडिकेटेड नई मुख्य लाइन जो पहले महेसाना यार्ड में नहीं थी, अब इस कार्य में उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म के साथ समर्पित 2 लूप लाइनें, 15 मीटर चौड़े आरसीसी प्लेटफॉर्म के साथ 750 मीटर लंबाई की एक गुड्स साइडिंग भी जोड़ी गई है। बुकिंग कार्यालय के साथ एक नया स्टेशन भवन, शौचालय के साथ सामान्य प्रतीक्षालय, कॉनकोर्स, पीआरएस शुरू किया गया है। 10.84 किमी लंबी नई डाउन मेन लाइन, 2 किमी लंबी नई विरमगाम-पाटन नई मेन लाइन, 760 मीटर लंबी दो नई गुड्स साइडिंग और 375 मीटर लंबी ट्रैक मशीन साइडिंग और एक टावर वैगन साइडिंग भी जोड़ी गई है। साथ ही, महेसाना रेलवे स्टेशन पर एक नया इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (श्वढ्ढ) सिस्टम चालू किया गया है, जिसमें 7 दिशाओं से आने वाली लाइनें हैं। अपग्रेडेड महेसाना यार्ड अब 380 मार्गों वाले इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से सुसज्जित है। 85 इंच वीडीयू मॉनिटर की मदद से गियर का संचालन किया जाता है और अत्याधुनिक फायर अलार्म, एक्सल काउंटर, ब्लॉक और ब्लॉक सेक्शन मॉनिटरिंग के लिए एक्सल काउंटर भी प्रदान किया गया है। ठाकुर ने आगे बताया कि अहमदाबाद के सर्वेक्षण और निर्माण विभाग की टीम ने कुशल योजना के साथ और बिना किसी सुरक्षा चूक के केवल 23 दिनों में महेसाना के यार्ड रीमॉडेलिंग के बड़े कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट सूरत द्वारा होली स्नेहमिलन-2023 का रंगारंग आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। सिटीलाईट-सूरत विस्तार स्थित महाराजा अग्रसेन पार्किंग ग्राउंड में बासंती पर्व ''होली'' के अवसर पर दिनांक 08/03/2023 को प्रात: 09:30 बजे से स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। होली के सतरंगी रंगो से निर्मित भव्य एवं अति मनोरम पंडाल में, कार्यक्रम पूर्णतया सात्विक एवं पर्यावरण फ्रेन्डली होवे, इस उद्देष्य से ट्रस्ट प्रबंधन द्वारा ''फूलों की होली'' मनाने का निर्णय लिया गया था। किसी भी प्रकार के कलर या केमिकल पूर्णतया प्रतिबंधित थे। साथ ही मुंबई से बुलाये गये विशिष्ट गायक व कलाकार मंडली द्वारा पारंपरिक गान प्रस्तुत किये गये। जिसपर उपस्थित समस्त जनमानस आत्मविभोर एवं थिरकते व नृत्य करते हुए नजर आये। कार्यक्रम स्थल पर फूल, जलपान एवं ठंडाई की उत्तम व्यवस्था रखी गई थी।

इस अवसर पर अग्रवाल विकास ट्रस्ट अध्यक्ष संजय सरावगी, उपाध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, सचिव राजीव गुप्ता, कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल, सह-सचिव अनिल शोरेवाला, सह-कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल, सहित ट्रस्टबोर्ड, ट्रस्ट एवं समाज के अन्य गणमान्य तथा वरिष्ठजन, भारी संख्या में उपस्थित रहे। एवं सभी ने एक दूसरे को होली पर्व शुभेच्छा दी।

सात्विक होली मिलन आयोजन का मुख्य उद्देष्य समाज में पर्यावरण एवं जल संरक्षण हेतु जागरूकता को बढ़ावा देना था जिसमें लोगों का सहकार भी मनोयोग से प्राप्त हुआ।

नेक्सॉन ईवी ने एक इलेक्ट्रिक वाहन द्वारा 'सबसे तेज' के2के ड्राइव के लिये इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपनी जगह बनाई

मुंबई । टाटा मोटर्स, भारत की अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माता और भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास में सबसे आगे रहने वाली, ने आज यह घोषणा की है कि भारत की सबसे ज्याादा भरोसेमंद और सबसे ज्यासदा चलने वाली नेक्सॉान ईवी ने एक इलेक्ट्रिक वाहन द्वारा कश्मीइर से कन्यायकुमारी तक की 'सबसे तेज' ड्राइव करके इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सफलतापूर्वक अपनी जगह बनाई है।

भारत के नंबर वन इलेक्ट्रिक वाहन नेक्सॉ्न ईवी ने सिर्फ 95 घंटे और 46 मिनट (4 दिन) में 4003 किलोमीटर की ड्राइव पूरी की है और मल्टी -सिटी ट्रिप्सि के लिये अपनी क्षमता को सफलतापूर्वक साबित किया है। इसके अलावा, यह नॉन-स्टॉ प ड्राइव भारत के राजमार्गों पर मौजूद पब्लिक चार्जिंग के विस्तृतत और बेहतरीन नेटवर्क के कारण भी संभव हो सकी। पूरी यात्रा में फास्टर चार्जिंग के लिये केवल 21 स्टॉप्स् पर कुल 28 घंटे खर्च करने के साथ नेक्सॉ न ईवी ने न सिर्फ पूरी यात्रा में समय बचाया, बल्कि आईसीई वाहन की तुलना में उल्लेखनीय ढंग से खर्च भी बचाया।

यात्रा के दौरान, नेक्सॉेन ईवी को एक आम कार की तरह चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों और मौसम की कठिन स्थितियों में चलाया गया और इसने 300+ किलोमीटर की औसत रियल-वर्ल्डर रेंज प्रदान की। इस खूबसूरत सफर का मजा कंपनी की लीडरशिप टीम ने भी लिया और नेक्सॉ न ईवी को भारत के विभिन्न इलाकों में ड्राइव किया। एक ईवी द्वारा 'सबसे तेज' के2के ड्राइव के रिकॉर्ड के अलावा नेक्सॉभन ईवी ने 23 अतिरिक्तड रिकॉर्ड भी बनाए हैं*।

इस असाधारण उपलब्धि पर अपनी बात रखते हुए, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्सन लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के एमडी श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, "नेक्सॉनन ईवी ने एक इलेक्ट्रिक वाहनद्वारा सबसे तेज के2के ड्राइव के लिये इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपनी जगह बनाकर अपनी क्षमताओं को साबित कर दिया है। यह उपलब्धि इस उत्पाइद की असीम क्षमता और देशभर में टाटा पावर की मौजूदगी से समर्थित चार्जिंग के शानदार बुनियादी ढांचे की उपलब्धतता का प्रमाण है। नियमित अंतरालों पर एक फास्ट्त चार्जिंग स्टेथशन था, जैसे कि 75 से 100 किलोमीटर के बीच, जोकि भारत के ईवी पारितंत्र के लिये अपने आप में एक बेहतरीन उपलब्धि है।

यह यात्रा हमारे लिये खास रही है, क्योंढकि मेरे सहकर्मियों और मैंने ऐसा कुछ पहली बार किया था- देश हर कोने से गुजरते हुए 4003 किलोमीटर की ड्राइव करना, वह भी एक इलेक्ट्रिक वाहन द्वारा सबसे कम समय में। इसके पीछे यह दिखाने का लक्ष्य था कि हमारे ग्राहक नेक्सॉकन ईवी की बढ़ी हुई रेंज और लगातार बढ़ रहे चार्जिंग के बुनियादी ढांचे पर भरोसे के साथ लंबी यात्राओं की योजना बना सकते हैं। मुझे आशा है कि यह के2के ड्राइव ज्याकदा से ज्याचदा ग्राहकों को इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने और इलेक्ट्रिक के साथ विकसित होने के लिये प्रेरित करेगी।"

नेक्सॉदन ईवी के बारे में ज्या दा जानने के लिये अपने नजदीकी डीलरशिप से संपर्क करें या https://nexonev.tatamotors.com को विजिट करें।

श्री सहस्त्रार्जुन अर्बन सोसायटी द्वारा मनाया गया होली एवं धुलेटी महोत्सव

सूरत भूमि, सूरत । श्री सहस्त्रार्जुन अर्बन को-ओ. होली के इस पावन अवसर पर श्री सहस्त्रार्जुन भवन 106 जलाराम नगर उधना में दिनांक 08.03.2023 को प्रात: काल क्रेडिट सोसायटी द्वारा होली एवं धुलेटी महोत्सव मनाया गया। जिसमें संस्था के संस्थापक एवं सलाहकार श्री कांतिभाई भीखूभाई चौटे, समाज के समिति सदस्य, पार्षद एवं समाज के नेतागण महोत्सव में शामिल हुए।

क्या आपको मल्टी-एसेट में निवेश की रणनीति अपनी चाहिए? : परेश टोपीवाला इनफिनिटी फाइनेंशियल सॉल्यूशंस

मल्टी-एसेट या बहु परिसंपत्ति निवेश का सीधा सा मतलब है कि आपका निवेश किसी एक परिसंपत्ति या एसेट में केंद्रित नहीं है, बल्कि यह कई परिसंपत्ति श्रेणियों में फैला हुआ है। यह एक अपेक्षाकृत सुरक्षित और स्था यी निवेश रणनीति है जो बाजार की अस्थिरता से उत्पन्न होने वाले जोखिमों को कम करने में अत्यधिक प्रभावी है।

इस तथ्य को देखते हुए कि सभी परिसंपत्तियां अपने आप में अनूठी और विशिष्टताओं वाली हैं और अक्सर उनका प्रदर्शन एक-दूसरे के साथ तालमेल नहीं बिठाता है, वैसे में बहु-परिसंपत्ति निवेश का विकल्प चुनना बुद्धिमानी है। यह अन्य परिसंपत्ति वर्गों में विविधीकरण होने से चुनौतीपूर्ण समय के दौरान एक परिसंपत्ति वर्ग से उत्पन्न होने वाले जोखिम को कम करता है।

इसके अलावा, वित्तीय बाजार में चल रही अनिश्चितता के कारण अत्यधिक अस्थिरता की वजह से निवेशक भ्रम की स्थिति में हैं। ये ऐसे समय होते हैं जब सारी परिसंपत्तियों को एक ही निवेश में रखने का जोखिम नहीं उठाया जा सकता है। यानी निवेश राशि को किसी एक परिसंपत्ति श्रेणी में नहीं लगाया जा सकता है। जोखिम को न्यूनतम करना सबसे बड़ा सरोकार होना चाहिए।

एक निवेशक के रूप में, आपके निर्णय आपकी जोखिम लेने की क्षमता, रिटर्न की उम्मीदें, निवेश की सीमा और वित्तीय लक्ष्यों पर आधारित होना चाहिए। मल्टी-एसेट या बहु परिसंपत्ति निवेश एक बढ़िया विकल्प हो सकता है यदि आपकी जोखिम लेने की क्षमता बहुत अधिक नहीं है और आप बाजार में अस्थिरता को लेकर सहज नहीं है। इसके अलावा, यदि आप बाजार की निगरानी करने और नियमित निवेश निर्णय लेने में असमर्थ हैं, तो एक मल्टी-एसेट फंड आपको एक अच्छी तरह से विविध पोर्टफोलियो के फायदों का लाभ देते हुए पेशेवर फंड प्रबंधन तक पहुंचने में सक्षम करेगा। इस फंड के माध्यम से आपको एक ही फंड के माध्यम से तीन से अधिक परिसंपत्ति वर्गों में निवेश की सुविधा मिलती है। मौजूदा स्थिति में बाजार की असाधारण अस्थिरता और मजबूत सकारात्मक संकेतों की कमी को देखते हुए, यदि आप इक्विटी जैसे एकल परिसंपत्ति वर्ग के साथ बने रहते हैं तो इसमें कई जोखिम हैं। वैकल्पिक रूप से, यदि आप सुरक्षा को रिटर्न से अधिक महत्व देते हैं, तो हो सकता है कि आपका डेट में किया गया निवेश आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त न हो। यदि आप इस तरह के भ्रम का सामना कर रहे हैं, तो मल्टी-एसेट निवेश रणनीति चुनना सबसे अच्छा वित्तीय निर्णय हो सकता है।

ऐसे कई फंड हाउस हैं जो मल्टी-एसेट म्यूचुअल फंड को अपनी हाइब्रिड पेशकश के तहत पेश करते हैं। इस क्षेत्र में सबसे पुराना और सबसे बड़ा आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी-एसेट फंड है। फंड का विभिन्न बाजार चक्रों में एक बेहतरीन दीर्घकालिक ट्रैक रिकॉर्ड है, जो इसे एक आकर्षक निवेश विकल्प बनाता है।

ŠKODA AUTO INDIA ने की ŠKODA SINGLE WICKET TOURNAMENT सीज़न 2 की घोषणा

ŠKODA AUTO India ने ŠKODA Single Wicket (SSW) टूर्नामेंट के दूसरे सीज़न की घोषणा की है। पूरे देश में 59 शहरों और 32,000से अधिक युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को कवर करने के उद्देश्य के साथ ŠKODA Single Wicket सीज़न 2 की शुरूआत 28 अप्रैल से होगी। ŠKODA AUTO India के ब्रांड डायरेक्टर, पेट्र सॉल्कश ने कहा, "ŠKODA AUTO India में, हम जो कुछ भी करते हैं उसके केंद्र में हमेशा हमारे ग्राहकों को प्राथमिकता दी जाती है और लोगों से जुड़ाव बनाया जाता है। प्रतियोगिता और कौशल के अलावा खेल का मतलब मानवीय भावनाओं का उत्सव मनाना भी है। ŠKODA Single Wicket प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक विश्वसनीय और अनोखा प्लैटफॉर्म उपलब्ध कराता है। इतना ही नहीं, यह प्रतिभागियों के लिए भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करने की आकांक्षा करने और उनके परिवारों और समुदायों के साथ कुछ अनमोल क्षणों का आनंद लेने का एक मौका भी प्रदान करता है। भारत में भारी संख्या में मौजूद प्रतिभाओं को प्रेरित और तैयार करना और पूरे देश में नए परिवारों तक ŠKODA ब्रांड लेकर जाना हमारे लिए गर्व की बात है।"

उल्लेखनीय है कि ŠKODA Single Wicket टूर्नामेंट ने इस सीज़न में लड़कियों के लिए अंडर-16 कैटेगरी की नई शुरूआत की है। इस टूर्नामेंट में 59 शहरों से क्रिकेट खेलने वाली सर्वोत्तम लड़कियों को चुना जाएगा। सभी कैटेगरीज के लिए शहरों में होने वाले ट्रायल्स और फाइनल्स इस साल अप्रैल और मई के महीनों में आयोजित किए जाएंगे और कुल 180 लड़के (अंडर-12 और अंडर-16) और लड़कियाँ (अंडर-16) मुंबई में मई में नेशनल फाइनल खेलेंगे।

ŠKODA Single Wicket टूर्नामेंट में छह-बॉल बैटिंग और छह-बॉल बॉलिंग का फॉर्मेट है जो अंडर-12 और अंडर-16 कैटेगरी के लड़कों और अंडर-16 कैटेगरी के लड़कियों के लिए खुला है जहाँ उन्हें चयनकर्ताओं के एक पैनल के सामने अपने बॉलिंग और बैटिंग का कौशल प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा जो उनके द्वारा प्रत्येक बॉल पर की गई बैटिंग और डाली गई प्रत्येक बॉलिंग पर पॉइंट्स देंगे। 59 शहरों में निर्धारित ŠKODA AUTO ज़ोन्स में प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

ŠKODA AUTO इंडिया ने ŠKODA Single Wicket माइक्रोसाइट पर टूर्नामेंट के लिए डिजिटल रजिस्ट्रेशन कराने की शुरुआत कर दी है। आज से प्रतिभागी अपने निकटतम एसएसडबल्यू शहर में सिटी ट्रायल्स में अपना पंजीकरण करवाने के लिए www.singlewicket.co.in वेबसाइट पर लॉगइन कर सकते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)